राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार, 13 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-320 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आम आदमी का प्रतिनिधित्व नहीं करते पीएम मोदी, मनमाने कामों से नहीं चलता देश : गहलोत

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में आयोजिक कांग्रेस की महारैली को संबोधित करते हुए सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो मुख्यमंत्री तक के पत्रों तक का जवाब नहीं देंते हैं। इससे आप समझ सकते हैं कि देश किस दिशा में जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार और पीएम मोदी आम आदमी का प्रतिनिधित्व नहीं करते है। वह केवल कुछ लोगों के हितों के लिए ही काम कर रही है। ऐसी सरकार से किसी सामाजिक बदलाव की उम्मीद नहीं की जा सकती है। देश आर्थिक रूप से पीछे जा रहा है, इसकी भाजपा केंद्र सरकार को चिंता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मनमाने आचरण से लगातार आम आदमी का नुकसान कर रहे हैं।

महंगाई के मोर्चे पर पूरी तरह असफल साबित हुई केंद्र सरकार : सचिन पायलट

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा महंगाई के मोर्चे पर केंद्र सरकार पूरी तरह असफल साबित हुई है। भाजपा नेताओं ने महंगाई हटाने को लेकर झूठा आश्वासान भी नहीं दिया। क्योंकि वे समझते हैं

कि जनता का वोट उनकी जेब में है, इसलिए काम करने की क्या जरूरत है। यहां एकत्र होकर जनता ने केंद्र की भाजपा सरकार को संदेश दिया है कि उनके दिन अब पूरे हो चुके हैं।

सचिन पायलट ने कहा 2024 में भाजपा को दिल्ली से हटाने के काम की शुरूआत जयपुर से हो चुकी है। आज जनता महंगाई से त्रस्त है,

लेकिन जैसे किसानों ने भाजपा की सरकार को झुकाया है वैसे ही जनता की आवाज के आगे इस सरकार को भी झुकना ही पड़ेगा।

संघ चला रहा देश, मंत्रियों के कामकाज पर संघ के ओएसडी रखते हैं नजर :राहुल गांधी

जयपुर (एजेसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में रविवार को कांग्रेस की मेगा रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश की हालत आप सभी देख रहे हैं। महंगाई से लेकर बेरोजगारी तक लोग परेशान हैं। यह रैली महंगाई और बेरोजगारी को लेकर है, देश की जो आज हालत है वह आज से पहले कभी नहीं हुई। देश की सब संस्थाएं एक संगठन के हाथ में हैं। मंत्री के दफ्तर में संघ के ओएसडी बैठे हैं। वे सारे कामकाज पर नजर रखते हैं। इस देश को जनता नहीं चला रही बल्कि 3-4 पूंजीपति चल रहे हैं।

जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि जो सरकार केंद्र में हैं, वह जनता की भलाई नहीं चाहती। हमारे पर्यटक प्रधानमंत्री अपने आवास से १० किलोमीटर दूर किसानों से मिलने नहीं जा पाए लेकिन पूरी दुनिया घूम आए हैं। यह सरकार सिर्फ़ गिने चुने उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। प्रियंका ने कहा कि सत्तर सालों की रट छोड़िए मोदी जी आप ये बताइए कि आपने सात सालों में क्या किया।

रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा आप इस रैली में इसलिए आए हैं, क्योंकि महंगाई की वजह से आपका जीना मुश्किल हो गया है। आप यहां इसलिए आए हैं, क्योंकि रसोई का सिलेंडर 1000 का हो गया है।

जयपुर डिस्कॉम का रोड शो आयोजित

जयपुर (एजेसी)। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढावा देने के लिए जयपुर डिस्कॉम द्वारा एक रोड शो का आयोजन किया गया। इलेक्ट्रिक वाहनों को जयपुर डिस्कॉम के एमडी नवीन अरोड़ा ने जवाहर सर्किल से फ्लैग दिखाकर रवाना किया। जवाहर सर्किल, जेएलएन मार्ग, जेडीए सर्किल, हाईकोर्ट सर्किल होते हुए विद्युत भवन पर रोड शो का समापन हुआ।

जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक नवीन अरोड़ा ने बताया की आयोजित रोड शो में करीब 30 दुपहिया व चौपहिया इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हुए। जवाहर सर्किल पर आयोजित समारोह में अरोड़ा ने कहा कि पैट्रोल व डीजल के वाहनों से बढते हुए कार्बन उत्सर्जन को कम करने हेतु ग्रीन ट्रांसपोर्ट को अपनाएं। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा भी सोलर पालिसी एवं विण्ड व हाईब्रिड पालिसी -2019 में कई दूसरे प्रावधान दिए है। राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग द्वारा भी इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन हेतु अलग श्रेणी निर्धारित की गई है,

जिसमें कम दर पर चार्जिग का प्रावधान किया गया है। उन्होंन कहा कि इस आयोजन से आमजन में ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता बढेगी एवं प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढावा मिलेगा।

हमारी भावनाओं का सम्मान करते हुए राहुल स्वीकार करें कांग्रेस अध्यक्ष पद : भूपेश बघेल

जयपुर (एजेसी)। जयपुर में आयोजित कांग्रेस की महारैली को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हम सबकी भावनाओं का सम्मान करते हुए जल्द से जल्द राहुल गांधी को कांग्रेस का अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी की जानी चाहिए। हम सभी लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए राहुल गांधी को अध्यक्ष पद स्वीकार कर लेना चाहिए।

ममता बनर्जी पर उन्होंने कहा कि पहले वह यह तय कर लें कि वह भाजपा से लड़कर अपनी लकीर बड़ी करना चाहती हैं या कांग्रेस की लकीर छोटी करके आगे बढ़ना चाहती हैं। उनका विरोध किसके साथ है, पहले उन्हें यह तय करना चाहिए।

पंजाब सरकार में मंत्री राज कुमार वर्का ने कहा कि राहुल गांधी को आगे आकर पार्टी को नेतृत्व देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश जिस स्थिति में जा पहुंचा है, उसमें देश को कांग्रेस ही उबार सकती है। उन्होंने कहा कि पार्टी को गतिशील करने के लिए राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल लेनी चाहिए। इससे सांगठनिक कामकाज में चुस्ती तो आएगी ही, ममता बैनर्जी की देश में प्रतिपक्ष का चेहरा बनने की गलतफहमी भी दूर हो जाएगी।

चुरूमें पारा लुड़ककर 3.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा

जयपुर,राजस्थान में अब ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है यहां के चुरू में प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान बना हुआ है जहां शनिवार रात न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बीती रात न्यूनतम तापमान नागौर में 4.7 डिग्री, सीकर में 5.0 डिग्री, अलवर में 5.1 डिग्री, पिलानी में 5.3 डिग्री, संगरिया में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक राज्य के ज्यादातर हिस्सों में रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है।

राजधानी जयपुर में यह 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अभी कुछ दिन मौसमी हालात ऐसे ही बने रहेंगे।

एक लाख 29,560 प्रकरणों का राजीनामे से किया निस्तारण

जयपुर (एजंसी)। केंद्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में वर्ष 2021 की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर, जयपुर एवं राज्य के सम्पूर्ण अधीनस्थ न्यायालयों में किया गया। आज राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रदेश में कुल 1 लाख 29 हजार 560 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अखिल कुरैशी द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन किया गया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि लोक अदालत राजीनाम से विवादों के निस्तारण का महत्वपूर्ण जरिया है। किसी भी कार्य की सफलता का आंकलन आंकड़ों की अपेक्षा किए गए प्रयासों से किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए कुछ नए प्रयास भी किए गए, जैसे विशेष प्रकृति के प्रकरण सिविल सैकण्ड अपील, अवमानना के प्रकरण, गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थान के विवाद, कॉमर्शियल कोर्ट के विवाद को-ऑपरेटिव ट्रिब्यूनल के यहाँ लम्बित मामलों को भी राष्ट्रीय लोक अदालत में रैफर किया गया। उन्होंने कहा कि बैंकों व वित्तीय संस्थान के साथ मिलकर विशेष अभियान का संचालन भी किया गया, जिसमें बैंको व वित्तीय संस्थानों के न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निपटारे के लिए प्रत्येक न्यायालय में प्री-काउंसलिंग आयोजित कर समझाईश के हर संभव प्रयास किए गये। कुरेशी ने कहा कि 11 नवंबर से सम्पूर्ण राजस्थान में (प्री-काउंसलिंग युद्ध स्तर पर संचालित है, जिसके माध्यम से भी प्रकरणों का निस्तारण किया गया। कार्यक्रम में श्री मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि पहली बार सम्पूर्ण राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में घर-घर जाकर भी काउंसलिंग हेतु विशेष अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत ग्राम स्तर पर प्री-काउंसलिंग की बचा का गठन कर समझाईश के विशेष प्रयास किये गए। उन्होंने कहा कि आमजन तक लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मास मैसेज, फोन कॉल्स, एल-बैड प्रसारण मुख्य चौराहों पर वीडियो प्रसारण, साईकल /कंट रैली, प्रभात फेरी एवं मोबाईल येन इत्यादि विशेष माध्यम अपनाए गए हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को लोक अदालत के बारे में जानकारी हो सके और उनके विवादों का राजीनाने के माध्यम से निस्तारण हो सके।

जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में तनु कंवर प्रथम

जयपुर (एजेंसी)। नेहरू युवा केंद्र जोधपुर द्वारा देश भक्तिएवं राष्ट्र निर्माण विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन यूथ हॉस्टल, जोधपुर में किया गया। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास थीम पर आधारित भाषण

प्रतियोगिता में युवाओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तर के प्रथम तीन विजेताओं ने भाग लिया जिसमें बिलाड़ा की तनु कंवर प्रथम, बाप की लक्ष्मी कोठारी द्वितीय एवं भोपालगढ़ की हेमलता गर्ग तृतीय स्थान पर रही। निर्णायक दल में आकाशवाणी में कार्यक्रम अधिशाषी डॉ. कालू राम परिहार, इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजयवर्धन आचार्य एवं प्रधानाचार्य श्री शक्ति सिंह [illegible] मौजूद रहे। डॉ. परिहार ने युवाओं को कुशल भाषण के [illegible] के बारे में बताया। इस दौरान राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक राकेश, केसाराम, कपिल गहलोत, राजेंद्र चौधरी, गिरधारी सिंह एवं युवा कार्यकर्ता जसा राम जांगिड़ भी मौजूद रहे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी, छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास

संपादकीय

प्रगति का मंत्र

निस्संदेह नदियों को जोड़ने वाली परियोजनाएं यदि विस्थापन और पर्यावरणीय चिंताओं से मुक्त हों तो वे सूखे व जीविका के संकट से जूझ रही बड़ी आबादी के लिये वरदान साबित हो सकती हैं। परियोजना सूखे क्षेत्रों में समृद्धि की बयार ला सकती हैं। कभी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वाकांक्षी नदी जोड़ योजना को तब अमलीजामा पहनाया जा सका जब यमुना की सहायक नदियों केन-बेतवा लिंक परियोजना को अंततः केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा हरी झंडी दे दी गई। यह परियोजना यदि समय रहते सिरे चढ़ती है तो दशकों से पानी के संकट से जूझ रहे बुंदेलखंड में हरियाली की बयार आएगी और इस क्षेत्र से होने वाले पलायन पर रोक लगेगी। उम्मीद की जा रही है कि उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के 13 जिलों में फैले बुंदेलखंड के लोगों को अगले दशक में हरियाली के चरागाह देखने को मिल सकते हैं। दरअसल, लंबे समय से यह परियोजना कई बाधाओं का सामना कर रही थी क्योंकि दोनों राज्यों की सरकारें सहमति के आधार नहीं खोज पायी थी। बताया जा रहा है कि इस परियोजना पर करीब 44,605 करोड़ लागत का अनुमान है, जिसमें से अधिकांश राशि केंद्र सरकार से अनुदान के रूप में प्राप्त होगी। दरअसल, केन नदी से बेतवा नदी में जलराशि स्थानांतरित होने से करीब 10.62 लाख हेक्टयर भूमि की सिंचाई हो सकेगी तथा करीब 62 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसके अलावा परियोजना का लक्ष्य 103 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना को अंजाम देना भी है। साथ ही सालाना 27 मेगावाट सौर ऊर्जा पैदा करने में इससे मदद मिलेगी। दरअसल, भारत में नदियों को जोड़ने की पुरानी महत्वाकांक्षी योजना रही है। यदि इतिहास पर नजर डालें तो नदियों को जोड़ने की शुरुआत 19वीं शताब्दी में हो गई थी। लेकिन उल्लेखनीय तथ्य यह है कि शुरुआती परियोजनाओं का लक्ष्य अंतर्देशीय नेगिवेशन के उद्देश्यों को लेकर था। इसी कड़ी में पेरियार परियोजना को सन 1895 में लागू किया गया था। इस परियोजना के अंतर्गत पेरियार बेसिन, जो आज केरल राज्य में है, से तमिलनाडु के बैगई बेसिन में जल स्थानांतरित किया जाता था। दरअसल, कालांतर जनसंख्या वृद्धि के चलते यह परियोजना पानी संकट के चलते सिंचाई व पेयजल भंडारण की योजनाओं का आधार बनी। निस्संदेह, आज ग्लोबल वार्मिंग के खतरे के बीच लगातार बढ़ते बाढ़ व सूखे के संकट में ऐसी परियोजनाएं कारगर समाधान प्रतीत होती हैं। दरअसल, इन विशाल परियोजनाओं की लागत, लाभ-हानि का विश्लेषण और लोगों के विस्थापन की चिंता के कारण समय-समय पर ऐसी परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाने में संकोच होता रहा है। वहीं राज्यों की नदियों से जुड़ी लोगों की अस्मिता और राजनीतिक कारण भी ऐसी परियोजना को अंतिम रूप देने में बाधक बने हैं। कभी इनका समय आगे बढ़ाया गया तो कभी कदम पीछे खींचे गये। पानी की हिस्सेदारी को लेकर राज्यों में मतभेद भी इसमें बाधक बने हैं। हालिया उदाहरण के रूप में देखें तो दो साल पूर्व महाराष्ट्र सरकार ने पानी के बंटवारे पर असहमति के चलते गुजरात के साथ दो नदी जोड़ परियोजनाओं से हाथ पीछे खींच लिए थे। विडंबना यह है कि राज्य में गुजरात व केंद्र की तरह भाजपा सरकार होने के बावजूद योजना सिरे न चढ़ सकी। ऐसे में केन-बेतवा परियोजना को केंद्र के सहयोग से उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश सरकारों द्वारा सिरे चढ़ाना देश के अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय पहल है।

श्रद्धांजलि : सेना के अपराजेय योद्धा थे बिपिन रावत

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के कुन्नूर में भारतीय वायुसेना का एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर क्रैश हो जाने के दर्दनाक हादसे से न केवल भारतीय सेना के तीनों अंग बल्कि समूचा देश गहरे सदमे में है। वायुसेना द्वारा इस दुर्घटना के कारण जानने के लिए जांच का आदेश दे दिया गया है। दरअसल इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सीडीएस बिपिन रावत और उनकी पत्नी के अतिरिक्त 11 लोगों की मौत ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया है। हादसे का शिकार हुए हेलीकॉप्टर को विंग कमांडर पृथ्वी सिंह उड़ा रहे थे। हेलीकॉप्टर सुलुर के आर्मी बेस से निकलने के बाद जनरल रावत को लेकर वेलिंगटन सैन्य ठिकाने की ओर बढ़ रहा था और सुलूर से करीब 94 किलोमीटर दूर हेलीकॉप्टर अचानक हादसे का शिकार हो गया। किसी भी वीवीआईपी दौरे में इसी हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जाता है। हादसे के शिकार हुए हेलीकॉप्टर की तुलना चिनूक हेलीकॉप्टर से की जाती थी, जो डबल इंजन हेलीकॉप्टर था, जिससे इसके एक इंजन में कोई खराबी आने पर दूसरे इंजन के सहारे सुरक्षित लैंडिंग कराई जा सके। एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर को भारतीय वायुसेना के सबसे सुरक्षित हेलीकॉप्टरों में से एक माना जाता है, इसलिए इसका इस प्रकार क्रैश होना बड़े सवाल करता है। दरअसल यह दुनिया के सबसे उन्नत परिवहन हेलीकॉप्टरों में से एक है, जिसे ट्रूप तथा आर्म्स ट्रांसपोर्ट, फायर सपोर्ट, काफिले एस्कॉर्ट, पैट्रोल और सर्च-एंड-रेस्क्यू मिशनों में भी तैनात किया जा सकता है। इसका अधिकतम टेकऑफ वजन 13 हजार किलोग्राम है और यह 36 सशस्त्र सैनिकों सहित आंतरिक रूप से 4500 किलोग्राम भार ले जा सकता है। यह हेलीकॉप्टर उष्णकटिबंधीय और समुद्री जलवायु के साथ-साथ रेगिस्तानी परिस्थितियों में भी उड़ान भरने की क्षमता रखता है। इसका केबिन काफी बड़ा है, जिसमें पोर्टसाइड दरवाजा है, जो पीछे की तरफ रैंप सैनिकों और कार्गो के आसानी के प्रवेश और निकास की अनुमति देता है। हेलीकॉप्टर एक विस्तारित स्टारबोर्ड स्लाइडिंग डोर, रैपलिंग और पैराशूट उपकरण, सर्चलाइट, एफएलआईआर सिस्टम जैसे कई आधुनिक प्रणालियों से सुसज्जित है। रक्षा मंत्रालय ने दिसम्बर 2008 में 80 एमआई-17 हेलीकॉप्टरों के लिए रूस के साथ 1.3 अरब डॉलर का सौदा किया था, जिनकी आपूर्ति भारतीय वायुसेना को 2011 में शुरू हुई थी और रूस द्वारा भारत को 2016 में आखिरी हेलीकॉप्टर सौंपा गया था। कई आधुनिक तकनीकों के साथ निर्मित इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल सेना के कई महत्वपूर्ण अभियानों में हुआ है। 2008 के मुम्बई आतंकी हमले के दौरान कमांडो ऑपरेशन में भी इसका इस्तेमाल हुआ था, जब इसी हेलीकॉप्टर के जरिये कोलाबा में एनएसजी कमांडो को आतंकियों के खिलाफ उतारा गया था। 2016 में जम्मू-कश्मीर में सीमा पर पाकिस्तानी लांच पैड को तबाह करने के लिए भी एमआई-17वी5 का इस्तेमाल हुआ था। वैसे विगत पांच वर्षों में अब तक कुल छह बार ये हेलीकॉप्टर दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। अरुणाचल प्रदेश के तवांग के पास 6 मई 2017 को एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के दौरान हादसे का शिकार हो गया था, जिसमें पांच जवानों के अलावा दो अन्य लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में 3 अप्रैल 2018 को गुप्तकाशी से पुनर्निर्माण सामग्री लेकर आ रहा एम-आई-17 हेलीकॉप्टर हेलीपैड से मात्र 60 मीटर पहले ही हादसे का शिकार हो गया था, जिसमें सभी बाल-बाल बच गए थे। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में 27 फरवरी 2019 को वायुसेना का एमआई-17 लापरवाही के चलते अपनी ही मिसाइल का शिकार होकर क्रैश हो गया था, जिसमें वायुसेना के छह अधिकारियों सहित एक आम नागरिक की मौत हुई थी। केदारनाथ से गुप्तकाशी जाने के लिए उड़ान भरते समय 23 सितम्बर 2019 को भी एमआई-17 हो गया था और उस हादसे में पायलट सहित सभी छह लोग सुरक्षित बच गए थे। 18 नवम्बर 2021 को एमआई-17 हेलीकॉप्टर अरुणाचल प्रदेश में लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में भी पांचों क्रू सदस्य सुरक्षित बच गए थे लेकिन 8 दिसम्बर को हुए एमआई-17 हादसे में सीडीएस बिपिन रावत सहित बाकी लोग इतने खुशनसीब नहीं थे। हेलीकॉप्टर में सवार सीडीएस जनरल रावत अपनी पत्नी और कुछ वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों व कर्मियों के साथ वेलिंग्टन में 'डिफेंस सर्विसेज कॉलेज' जा रहे थे, जहां वे थल सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे के साथ बाद में एक कार्यक्रम में भाग लेने वाले थे। सीडीएस बिपिन रावत का असामयिक निधन न केवल सैन्य बलों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने सीडीएस बनने के बाद सेना के तीनों अंगों के आधुनिकीकरण के लिए कई बड़े कदम उठाए थे। भारतीय सेना में उनकी चार दशक लंबी सेवा सदैव असाधारण बहादुरी से भरी रही और सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए वे हमेशा दो टूक लहजे में दुश्मन को चेताते रहते थे। दुश्मन देश की नापाक हरकतों पर उसे कड़े लहजे में चेतावनी देते हुए एक बार उन्होंने कहा था कि पहली गोली हमारी नहीं होगी लेकिन उसके बाद हम गोलियों की गिनती नहीं करेंगे। 16 मार्च 1958 को पौड़ी गढ़वाल के एक गांव में जन्मे बिपिन रावत के पिता लक्ष्मण सिंह रावत भी सैन्य अधिकारी थे, जो 1988 में लेफ्टिनेंट जनरल पद से रिटायर हुए थे। बिपिन रावत ने 1978 में सेना की 11वीं गोरखा राइफल्स की पांचवीं बटालियन से अपने सैन्य कैरियर की शुरूआत की थी और उसके बाद से उनका पूरा कैरियर उपलब्धियों से भरा रहा। 2011 में उन्होंने चौ. चरण सिंह यूनिवर्सिटी से मिलिट्री मीडिया स्टडीज में पीएचडी की डिग्री हासिल की थी। उन्हें उत्तम युद्ध सेवा मैडल, अति विशिष्ट सेवा मैडल, युद्ध सेवा मैडल, सेना मैडल, विदेश सेवा मैडल इत्यादि कई पदक मिले थे। उन्होंने 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए करगिल युद्ध में हिस्सा लिया था। इसके अलावा उन्होंने कांगो में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन का नेतृत्व भी किया था और उस दौरान उन्होंने एक बहुराष्ट्रीय ब्रिगेड का भी नेतृत्व किया था। 1 सितम्बर 2016 को उन्हें उप-सेना प्रमुख बनाया गया और 31 दिसम्बर 2016 को उन्होंने भारतीय सेना की कमान संभाली थी। उन्होंने सैन्य सेवाओं के दौरान एलओसी, चीन बॉर्डर तथा नॉर्थ-ईस्ट में लंबा समय गुजारा। पूर्वी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा, कश्मीर घाटी तथा पूर्वोत्तर सहित अशांत क्षेत्रों में काम करने का उनका लंबा और शानदार अनुभव था। 2016 में उरी में सेना के कैंप पर हुए आतंकी हमले के बाद बिपिन रावत के नेतृत्व में 29 सितम्बर 2016 को पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों को ध्वस्त करने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी। उन्हें ऊंचाई पर जंग लड़ने (हाई माउंटेन वॉरफेयर) तथा काउंटर-इंसर्जेंसी ऑपरेशन अर्थात् जवाबी कार्रवाई के विशेषज्ञ के तौर पर जाना जाता था। सेना प्रमुख पद से रिटायरमेंट से एक दिन पहले ही 30 दिसम्बर 2019 को सरकार द्वारा उन्हें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) बनाने की घोषणा की गई थी और 1 जनवरी 2020 को वे भारत के पहले सीडीएस बने थे। बतौर सीडीएस जनरल रावत पर तीनों सेनाओं में स्वदेशी साजो-सामान का उपयोग बढ़ाने का दायित्व था और वे सेना के तीनों अंगों के ऑपरेशन, प्रशिक्षण, ट्रांसपोर्ट, सपोर्ट सर्विसेस, संचार, रखरखाव, रसद पूर्ति तथा संयंत्रों में टूट-फूट संबंधी कार्य भी देख रहे थे। सीडीएस के रूप में उनकी नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं में तालमेल को बढ़ाना था।

पश्चिम में भारत की जय-जय

(लेखिका-आयुषी दवे)

दशकों से भारत तकनीक क्षेत्र का केंद्र बिंदु है। साल दर साल धीरे-धीरे कैसे भारतीय, कॉर्पोरेट्स की सीढियाँ चढ़ उनके विकास में सहायक बने, किसी से छिपा नहीं। गूगल से ले कर माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम से अडोब तक ऐसे बहुत से टेक्नालॉजी जॉयन्ट्स हैं जिनके सीईओ भारतीय हैं। नोकिया, पेप्सी और मास्टरकार्ड जैसी कंपनियों ने भी इन्वेंशन, मार्केटिंग व प्रबंधन के क्षेत्र में भारतीयों को महत्ता दी। अब इन्हीं नामो की फेहरिस्त में एक और नाम जुड़ गया वह है ट्विटर। चंद रोज़ पहले ही इसके सीईओ भारतीय मूल के पराग अग्रवाल बने। अजमेर के एक माध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे 37 वर्षीय पराग आईआईटी, बॉम्बे के छात्र रहे जिन्होंने 2001 में तुर्की में हुए इंटरनेशनल फिजिक्स ओलिंपियाड में गोल्ड मैडल भी जीता था। इन्होंने कैलिफ़ोर्निया के स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में पीएचडी भी किया। पराग की ही तरह चेन्नई में जन्में गूगल की पैरेंट कम्पनी अल्फाबेट के सीईओ सुन्दर पिचाई ने भी आईआईटी खड़गपुर से स्नातक की डिग्री हासिल की और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ साइंस और यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेन्सिल्वेनिआ से एमबीए किया। वहीं माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने मणिपाल यूनिवर्सिटी से बीटेक और अमेरिका की विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ साइंस और शिकागो से एमबीए यानी मास्टर ऑफ बिजनेस ऐडमिनिस्ट्रेशन किया। एडोब के सीईओ शांतनु नारायण ने उस्मानिया यूनिवर्सिटी से स्नातक किया बाद में फिर उन्होंने कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। आईबीएम के सीईओ अरविन्द कृष्णा ने भी आईआईटी कानपुर से बीटेक किया बाद में यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलेनॉइस से पीएचडी किया। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सीईओ और सैनडिस्क के कोफाउंडर संजय मेहरोत्रा ने बिट्स पिलानी और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से बैचलर और मास्टर्स किया। बाद में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से बिजनेस की पढाई की। उनके नाम 70 से ज्यादा पेटेंट्स हैं। पालो आल्टो नेटवर्क्स के सीईओ निकेश अरोरा भी आईआईटी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातक हैं और इन्होंने नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी, बोस्टन से एमबीए की डिग्री हासिल की। आज दुनिया भर में तकनीकी, गैर तकनीकी, बैंकिंग आदि क्षेत्र में करीब दो दर्जन से अधिक ऐसी मल्टीनेशनल कम्पनियाँ है जिनके सीईओ भारतीय हैं या रहे हैं। तो क्या कारण है की ये बड़ी-बड़ी कपनियाँ अपने प्रमुख और महत्वपूर्ण पदों पर भारतीयों पर ही भरोसा करती हैं? जाहिर है व्यक्तिगत कौशल, योग्यता और कड़ी मेहनत के अलावा इन भारतीयों में पाए जाते हैं भारतीय संस्कृति के कुछ ऐसे खास गुण और मूल्य जो इन्हें सबसे अलग और सबकी पहली पसंद भी बनाते हैं। कितना सुखद है कि बहुत ही सामान्य पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले ये हुनरमंद मध्य वर्गीय परिवारों से हैं जो आज अपनी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ता से इस मुकाम तक पहुंचे। इसमें कोई दो मत नहीं कि भारत प्रगतिशील देश है जहाँ अधिकतर संसाधनों का आभाव रहता है। इस कारण बच्चों को छोटी आयु में ही हर माहौल में ढल जाने और उसे अपने अनुकूल बनाने की शिक्षा परिवार से ही मिल जाती है। साथ ही इन्हें अप्रत्याशित परिस्थितियों और अनिश्चितताओं से निकलने और उन्हें अपने अनुकूल ढ़ालने का ज्ञान भी हो जाता है। 135 करोडे की विशाल जनसँख्या, उसमें भी आईआईटी जैसे प्रीमियर संस्थानों में प्रवेश के लिए महज चंद सीटें ही वो परिस्थितियाँ बनाती हैं जिससे छोटी आयु में बेहद कठिन प्रतिस्पर्धाओं का सामना करने की काबिलियत आ जाती है। बस यहीं से ये नन्हें भारतीय वैश्विक स्तर के लिए ढ़ल जाते हैं। भारत एक बहु सांस्कृतिक देश है। यहां पले-बढे व्यक्ति को बचपन से ही दूसरो की संस्कृति और विचारों का सम्मान करना, बिना किसी पक्षपात के उनके साथ मिलकर काम करना, किसी भी मुद्दे का हल बातचीत से निकालना सिखाया जाता है। यही मंत्र एक मल्टीनेशनल कंपनी में विभिन्न देशों के लोगों के साथ मिल जुल कर रहने और काम करने में सहायक होता है जो हमें जन्मजात मिलता है। भारत में रिश्तों और व्यव्हार की अहमियत बेहद खास होती है। सबके साथ मिलकर रहना, एक दूसरे का ध्यान रखना, कई छोटी-बड़ी बातों की अनदेखी करना किसी भी सीईओ की दया, सहनशीलता बढ़ाने और स्वीकार्यता के गुणों को बढाती है। हमारी बहु भाषिक संस्कृति के कारण यहां पला बढ़ा व्यक्ति कम-कम 2-3 भाषाएँ और बोलियाँ बोल लेता है। यही गुण उन्हें कुशल वक्ता भी बनाता है। शायद यही सब वो कारण हैं कि अमेरिका में एक अवधारणा बन गई है कि भारतीय मूल के लोग तकनीकी और प्रबंधन के क्षेत्र में बहुत अच्छे होते हैं। इसीलिए वहाँ की इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी और दूसरे अल्पसंख्यकों में भारतीयों की ही सबसे सफल और समृध्द कम्युनिटी है। इसका पता 2015 के एक सर्वे से भी चला जिसमें सिलिकॉन वैली के एक तिहाई इंजीनियर्स भारतीय हैं। इसी से पता चला कि विश्व की 10 प्रतिशत हाईटेक कंपनियों के सीईओ भारतीय हैं जो दूसरी बड़ी उपलब्धि है। ये सारी बातें कहीं न कहीं भारत के कद को वैश्विक स्तर में बढ़ाती है तभी तो गूगल, ट्वीटर, माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के सीईओ भारतीय हैं। इससे भारत के प्रति विश्वास तो बढ़ता ही है जो हमारे लिए एक सॉफ्ट पावर की तरह काम करता है। यकीनन वैश्विक स्तर पर कहीं न कहीं इंडियन मल्टीनेशनल कॉरपोरेशन और इंडियन स्टार्टअप की संभावनाए बढ़ेंगी। इतना ही नहीं ये उपलब्धियाँ भारत को खासा प्रोत्साहित करती हैं। इससे जहाँ एक तरफ बच्चों को कड़ी मेहनत और इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलता है, वहीं दूसरी तरफ बिजनेस फ्रेंडली एनवॉयरमेण्ट भी बढ़ता है। सही मायनों में हमारी जीत तब होगी जब विश्व की 18 प्रतिशत जनसँख्या वाले भारत के विश्व की प्रमुख 500 कंपनियों (फॉर्च्यून 500) में केवल दर्जन भर नहीं बल्कि तकरीबन 100 से अधिक सीईओ होंगे और इसमें भारत की 7 नहीं बल्कि 70 कम्पनियाँ होंगी। हाँ, इससे प्रतिभाएँ यहीं रह कर, इनकी सीईओ बनेंगी और हमारी प्रतिभाओं को पलायन कर अवसरों की खातिर सात समंदर पार की उड़ान नहीं भरना पड़ेगी।

आज के कार्टून

अहंकार

श्रीराम शर्मा आचार्य

साधन सम्पन्न का पतन होते ही समाज में उसकी असहनीय अप्रतिष्ठा होने लगती है। लोग पहले जितना उसका मान सम्मान और आदर सत्कार किया करते थे, उसी अनुपात से अवमानना करने लगते हैं। आदर पाकर अपमान मिलने पर कितनी पीड़ा कितना दुख और कितना आत्म संताप मिलता होगा, इसको तो कोई भुक्तभोगी ही जान सकता है। अहंकार भयानक शत्रु के समान होता है। इससे क्या रिक्त और क्या सम्पन्न सभी व्यक्तियों को सावधान रहना चाहिए। यह जिसको अपने वश में कर लेता है, उसे सदा के लिए नष्ट कर डालता है। प्रकट अहंकार की हानियां तो प्रकट ही है। गुप्त अहंकार भी कम भयानक नहीं होता। बहुत लोग चतुरता के बली पर समाज में अपने अहंकार को छिपाये रहते हैं। ऊपर से बड़े विनम्र और उदार बने रहते हैं, किन्तु अन्दर ही अन्दर उससे पीड़ित रहा करते हैं। ऐसे मिथ्या लोग उदारता दिखलाने के लिए कभी-कभी परोपकार और परमार्थ भी किया करते हैं। दान देते समय अथवा किसी की सहायता करते समय बड़ी निस्पृहता प्रदर्शित करते हैं, किन्तु अन्दर ही अन्दर लोकप्रियता, प्रशंसा और प्रकाशन के लिए लाभान्वित बने रहते हैं। कई बार तो जब उनकी यह कामना, आकांक्षा अपूर्ण रह जाती है, उतनी लोकप्रियता अथवा प्रशंसा नहीं पाते, जितनी कि वे चाहते हैं, तो वे अपने परोपकार परमार्थ अथवा दानपुण्य पर पश्चाताप भी करने लगते हैं और बहुधा आगे के लिए अपनी उदारता का द्वार ही बन्द कर देते हैं। ऐसे मानसिक चोर अहंकारियों को अपने परमार्थ का भी कोई फल नहीं मिलता। परमार्थ कार्यों में अहंकार का समावेश अमृत में विष और पुण्य में पाप का समावेश करने के समान होता है। वैसे तो अहंकारी कदाचित ही उदार अथवा पुण्य परमार्थी हुआ करते हैं। पाप का गट्ठर सिर पर रखे कोई पुण्य में प्रवृत्त हो सकेगा-यह सन्देहजनक है। स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए रोगी को पहले रोग से मुक्त होना होगा। रोग से छूटने से पहले ही यदि वह स्वास्थ्यवर्धक व्यायाम में प्रवृत्त हो जाता है तो उसका मन्तव्य पूरा न होगा। लोक-परलोक का कोई भी श्रेय प्राप्त करने में अहंकार मनुष्य का सबसे विरोधी तत्व है। लौकिक उन्नति अथवा आत्मिक प्रगति पाने के लिए किए जाने वाले प्रयत्नों में अहंकार का त्याग सबसे प्रमुख प्रयत्न है।

सू-दोकू नवताल -1988

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

सू-दोकू -1987 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1988

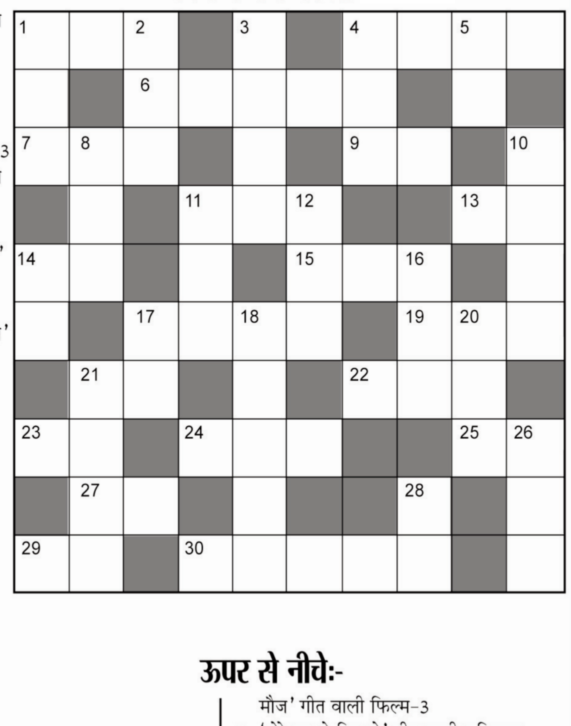

बायें से दायें:-

1. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-3
4. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-2,2
6. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-5
7. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-3
9. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-2
11. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-3
13. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-2
14. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-2
15. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-3
17. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-4
19. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-3
21. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
22. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-3
23. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
24. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-3
25. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-2
27. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
29. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-2
30. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-2,3

ऊपर से नीचे:-

1. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-3
2. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-4
4. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-2
8. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-3
10. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-4
11. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-3
14. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-3
17. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-2
18. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-5
20. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की 1982 की एक फिल्म-3
21. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-2,2
26. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
28. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 1987

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	र्दि	श		स	त्या		दें		र

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

मुंबई । सरकारी तेल कंपनियों ने रे विवार को लगातार 11वें दिन पेट्रोल डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। वै श्विक बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरवाट बनी हुई है। घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमत में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, सरकार ने दिवाली से एक दिन पहले केंद्र सरकार की तरफ से एक्साइज़ ड्यूटी में कटौती के बाद कई राज्य पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले वैट में कटौती की है। इससे पेट्रोल और डीजल के दाम अपने पीक से कम हुए हैं। अभी भी देश में कई ऐसे राज्य हैं जहां पेट्रोल के दाम 100 रुपए से ऊपर चल रहे हैं। देश में अभी सबसे महंगा पेट्रोल गंगानगर में 112.11 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है जबकि सबसे सस्ता पेट्रोल 82.96 रुपए प्रति लीटर के भाव से पोर्टब्लेयर में बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 95.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.67 रुपए प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल 109.98 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 94.14 रुपए प्रति लीटर हैं। कोलकाता में पेट्रोल 104.67 रुपए प्रति लीटर और डीजल 89.79 रुपए प्रति लीटर हैं। चेन्नई में पेट्रोल 101.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 91.43 रुपए प्रति लीटर हैं। बेंगलुरु में पेट्रोल 100.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 85.01 रुपए प्रति लीटर है और भोपाल में पेट्रोल 107.23 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.87 रुपए प्रति लीटर हैं।

नवंबर में गोल्ड ईटीएफ को आया 683 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड कोषों (ईटीएफ) के प्रति निवेशकों का आकर्षण बरकरार है। नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में 683 करोड़ रुपए का निवेश आया है। पीली धातु की कीमतों में करेक्शन तथा कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर चिंता बढ़ने की बीच गोल्ड ईटीएफ की ओर निवेशकों का रुझान बढ़ा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अक्टूबर में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध रूप से 303 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था, वहीं सितंबर में यह 446 करोड़ रुपए रहा था। इससे पिछले महीने गोल्ड ईटीएफ में 24 करोड़ रुपए का निवेश आया था। एलएक्सएमई के एक अे धिकरी ने कहा कि नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में उल्लेखनीय प्रवाह दर्ज हुआ। कोविड-19 के नए स्वरूप से अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ी है। बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाव के लिए निवेशक बचत के परंपरागत तरीके की ओर रुख कर रहे हैं। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि नवंबर में सोने की कीमतों में करेक्शन तथा ओमीक्रोन को लेकर चिंता के बीच निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण बढ़ा है। ताजा प्रवाह के बाद गोल्ड ईटीएफ में निवेश का आंकड़ा इस साल 4,500 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इस साल सिर्फ जुलाई में गोल्ड ईटीएफ से 61.5 करोड़ रुपए की निकासी हुई थी।

गुजरात में शॉपिंग मॉल बनाने 2,000 करोड़ निवेश करेगी लुलु

नई दिल्ली । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लुलु ग्रुप भारत में कारोबार विस्तार की अपनी योजना के तहत गुजरात के अहमदाबाद में एक शॉपिंग मॉल के निर्माण पर 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। लुलु ग्रुप ने कहा कि कंपनी ने इसके लिए गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के पास देश में पहले से तीन मॉल हैं और वह अगले साल मार्च तक दो और मॉल खोलेगी। कंपनी ने कहा` कि लुलु ग्रुप गुजरात में एक आधुनिक शॉपिंग मॉल स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और दुबई में लुलु समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक युसूफ अली एमए के बीच एक बैठक के दौरान इस निवेश की घोषणा की गई। गुजरात के मुख्यमंत्री आगामी वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक सम्मेलन (वीजीजीएस) के प्रचार-प्रसार और राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने के लिए आधिकारिक दौरे पर हैं।

हर योजना के मध्य में होता है मध्यम वर्ग: सीतारमण

नई दिल्ली :

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि केन्द्र सरकार की हर योजना के मध्य में मध्यम वर्ग होता है और उनको ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की जाती है। सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की मौजूदगी में जमाकर्ता प्रथमः पांच लाख रुपए तक की जमा राशि पर भुगतान की गारंटी विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस योजना के मध्य में भी मध्यम वर्ग है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष के आम बजट में बैंकों में जमा पांच लाख रुपए तक की जमा राशि को बीमाकृत करने की घोषणा की गई थी। इसी के अनुरूप यह व्यवस्था की गई है और इसमें 90 दिनों के भीतर भुगतान की गारंटी भी दी गई है। उन्होंने कहा कि जिन जमाकर्ताओं की राशि नहीं मिल रही थी वे लगातार फोन करते रहते थे। नियामक कारणों से बैंक भुगतान करने की स्थिति में नहीं होते थे लेकिन अब इस समस्या का समाधान कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में जर्माकर्ताओं से किया गया वादा पूरा किया गया है। अब उनके हित सुरक्षित रहेगें।

दिसंबर में एफपीआई ने अब तक भारतीय बाजारों से निकाले 8,879 करोड़

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर में अब तक भारतीय बाजारों से 8,879 करोड़ रुपए निकाले है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से 10 दिसंबर के दौरान एफपीआई ने शेयरों से 7,462 करोड़ रुपए, ऋण या बांड बाजार से 1,272 करोड़ रुपए और हाइब्रिड उत्पादों से 145 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस तरह उनकी निकासी 8,879 करोड़ रुपए रही है। नवंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 2,521 करोड़ रुपए निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि अत्यधिक तेजी से प्रसार वाले कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप को लेकर चिंता बनी हुई है। इससे वैश्विक वृद्धि का परिदृश्य प्रभावित हुआ है। कोविड-19 का यह स्वरूप पुनरुद्धार को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से निवेशक पहले से ही जोखिम से बच रहे हैं। मुद्रास्फीति के बढ़ने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक रुख को कड़ा करने की संभावना है। एफपीआई बैंकिंग शेयरों में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। बैंकों के शेयरों में ही उनका सबसे अधिक हिस्सा है। इसके अलावा वे सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में भी बिकवाली कर रहे हैं।

एमजी मोटर की ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका के बाजारों में निर्यात की योजना

नई दिल्ली ।

एमजी मोटर इंडिया ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका जैसे बाजारों में संभावनाएं तलाशने के साथ राइट हैंड ड्राइविंग (ड्राइवर की सीट दाईं ओर होना) वाले वैश्विक बाजार में निर्यात की योजना बना रही है। इसके अलावा कंपनी का इरादा भारत से वाहनों का निर्यात बढ़ाने का भी है। एमजी मोटर इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजीव छाबा ने कहा, हालांकि वर्तमान में चिप की कमी है। हमें खुद को लंबी अवधि के लिए तैयार करने की जरूरत है। हम अपने आधार का विस्तार करना चाहते हैं और भारत को पड़ोसी बाजारों के लिए निर्यात केंद्र बनाना चाहते हैं। कंपनी ने पहले ही नेपाल के साथ शुरुआत कर दी है और वहां एमजी हेक्टर की पहली खेप भेजी है। छाबा ने कहा कि यह अभी हेक्टर एसयूवी के साथ जारी रहेगा और अगले साल मध्यम आकार की एसयूवी एमजी एस्टर और जेडएस ईवी का भी निर्यात किया जाएगा। छाबा ने कहा कि नेपाल पहला देश है, लेकिन हम इस क्षेत्र के अन्य बाजारों जैसे श्रीलंका, बांग्लादेश और भूटान में भी संभावनाएं तलाश रहे हैं। इसके अलावा हमें ब्रिटेन से भी पूछताछ मिली है। ब्रिटेन में ड्राइवर की सीट दाईं ओर होती है। हम ब्रिटेन में भी एमजी हेक्टर के लिए संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक और राइट हैंड ड्राइविंग बाजार दक्षिण अफ्रीका में एमजी मोटर का परिचालन शुरू होना है। कोविड-19 की वजह से इसमें देरी हुई है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक बार दक्षिण अफ्रीका में एमजी का परिचालन शुरू होने के बाद यह भी हमारे लिए संभावना वाला बाजार होगा।

तेल-तिलहन बाजार साप्ताहिक समीक्षा

बीते सप्ताह तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

सर्दी में मामूली तेलों की बढ़ती मांग के बीच देशी तेल के सस्ता होने से बीते सप्ताह देश के प्रमुख तेल-तिलहन बाजार में सोयाबीन, सरसों, मूंगफली सहित अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव नुकसान के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की पॉल्ट्री कंपनियों की स्थानीय मांग के बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आश्वस्त किया है कि देश के किसानों के हित में डीओसी का आयात नहीं होगा। इस बीच सोयाबीन की नई फसल के बाजार में आने से सोयाबीन दाना और लूज के भाव के अलावा सोयाबीन तेलों की कीमतें पिछले सप्ताहांत के मुकाबले नुकसान के साथ बंद हुईं। देश में अत्यधिक मात्रा में आयात की वजह से भी सोयाबीन तेलों के भाव टूटे। बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 50 रुपए की गिरावट के साथ 8,800-8,825 रुपए प्रति क्विंटल रह गया, जो पिछले सप्ताहांत 8,850-8,875 रुपए प्रति क्विंटल था। सरसों दादरी तेल का भाव पिछले सप्ताहांत के मुकाबले 350 रुपए घटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 17,150 रुपए क्विंटल रह गया। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमत 50-50 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 2,640-2,665 रुपए और 2,720-2,830 रुपए प्रति टिन रह गईं। सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के भाव क्रमशः 250-250 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 6,550-6,650 रुपए और 6,400-6,450 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सोयाबीन की नई फसल की आवक बढ़ने की वजह से समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 270 रुपए, 170 रुपए और 130 रुपए की हानि के साथ क्रमशः 12,950 रुपए, 12,700 रुपए और 11,540 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली की नई फसल की राजस्थान और गुजरात की मंडियों में आवक बढ़ने के बाद इसके भाव के कमजोर होने से मूंगफली तेल-तिलहन के भाव समीक्षाधीन सप्ताह में हानि दर्शाते बंद हुए। इस दौरान मूंगफली का भाव 200 रुपए घटकर 5,700-5,785 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल गुजरात का भाव 500 रुपए की गिरावट के साथ 12,500 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड का भाव 80 रुपए टूटकर 1,840-1,965 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। मांग प्रभावित होने से समीक्षाधीन सप्ताहांत में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 190 रुपए की गिरावट के साथ 10,980 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ।

जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 220 रुपए की गिरावट के साथ 12,580 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन कांडला तेल का भाव 200 रुपए टूटकर 11,450 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। बिनौला तेल का भाव 520 रुपए की गिरावट दर्शाता 11,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सप्ताह के दौरान मक्का खल का भाव 25 रुपए सुधरकर 3,850 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ।

(शेयर बाजार समीक्षा)

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

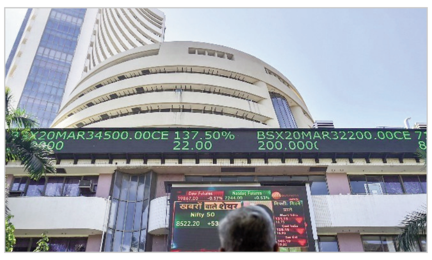

मुंबई ।

कोरोना के नये वेरिएंट ओमीक्रॉन के संक्रमण के देश में फैलने से रोकने में मिली सफलता के साथ ही रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों को यथावत रखने और आर्थिक विकास को गति देने के साथ ही चालू वित्त वर्ष में आर्थिक गतिविधियों में तेजी बने रहने के अनुमान से बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी रही और अगले सप्ताह बाजार की चाल वैश्विक कारकों से तय होने की संभावना है। अगले सप्ताह अमेरिकी फेड रिजर्व के साथ ही कई प्रमुख देशों के केन्द्रीय बैंक भी अपनी मौद्रिक नीति जारी करने वाले हैं और इसी से बाजार की चाल तय होने की उम्मीद जतायी जा रही है। वैश्विक स्तर पर ओमीक्रॉन के संक्रमण को नियंत्रित करने में काफी हद तक मदद मिली है और जिसे गति से इसके फैलने की आशंका जताई जा रही थी उसको काफी हद तक काबू में करने में सफलता मिली है। अगले सप्ताह 15 दिसंबर को अमेरिकी फेड रिजर्व अपनी मौद्रिक नीति जारी करेगा। इसके बाद यूरोपीयन केन्द्रीय बैंक, बैंक ऑफ इंगलैंड, स्विस नेशनल बैंक और बैंक ऑफ जापान की मौद्रिक नीति जारी होनी है। इसका वैश्विक बाजार पर असर होगा और उससे भारतीय शेयर बाजार भी प्रभावित होंगे। बीते सप्ताह 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1090.21 अंक बढ़कर 58786.67 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज(एनएसई) का निफ्टी 314.60 अंक चढ़कर 17511.30 अंक पर रहा । इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर देखा गया जिससे बीएसई का मिडकैप 524.27 अंक उठकर 25707.18 अंक पर और स्मॉलकैप 838.92 अंक उछलकर 29260.81 अंक पर रहा। बीते सप्ताह शेयर बाजार को घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बढ़त हासिल करने में मदद की क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 9200 करोड़ रुपए के बिकवाल रहे। इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 7200 करोड़ रुपए की लिवाली की जिससे बाजार को गति मिली।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.78 अरब डॉलर घटा

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले 3 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.78 अरब डॉलर घटकर 635.90 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पिछले सप्ताह में यह 2.71 अरब डॉलर कम होकर 637.68 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 3 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.48 अरब डॉलर घटकर 573.18 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस दौरान स्वर्ण भंडार 40.7 करोड़ डॉलर कम होकर 38.41 अरब डॉलर पर आ गया।

आरबीआई गवर्नर ने निवेशकों को किया सावधान, कहा- हाई रिटर्न पाने के लिए सतर्क रहने की भी जरूरत

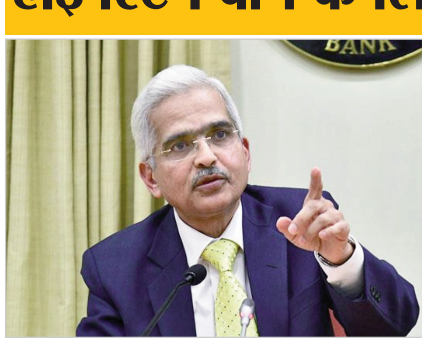

नई दिल्ली :

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने निवेशकों को आगाह करते हुए रविवार को कहा कि ऊंचा रिटर्न पाने की चाहत के बीच उन्हें सतर्क रहने की जरूरत है। दास ने रविवार को 'जमाकर्ता प्रथमः पांच लाख रुपए का गारंटीशुदा समयबद्ध जमा बीमा भुगतान' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऊंचे रिटर्न या ज्यादा ब्याज के साथ जोखिम भी ज्यादा होता है। दास ने कहा, ''ऐसी स्थिति में निवेशकों को ऊंचे रिटर्न पाने की इच्छा के साथ सावधानी बरतने की जरूरत है। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा, ''एक बैंक ज्यादा ब्याज दर की पेशकश कर रहा है, तो जमाकर्ताओं को अपना पैसा लगाने के पहले खुद भी ज्यादा सजग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऊंची ब्याज दर की कुछ पेशकश व्यवहार्य भी हैं लेकिन वहां पर भी जमाकर्ताओं को सजगता दिखानी होगी। दास ने कहा कि आरबीआई बैंकिंग प्रणाली को मजबूत एवं जुझारू बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन यह काम मिलकर करना होगा। उन्होंने कहा, ''बैंकिंग प्रणाली से जुड़े हरेक हितधारक की यह साझा जिम्मेदारी है, चाहे वह बैंक प्रबंधन हो, ऑडिट समिति हो, जोखिम प्रबंधन समिति हो या कोई भी नियामकीय प्राधिकरण हो। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि जमाराशि के बीमा का भुगतान इस दिशा में अंतिम उपाय होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आरबीआई निगरानी पद्धतियों को सशक्त करने के लिए नियामकीय निर्देशों में मजबूती लाने की रणनीति पर चलता रहा है। इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि बैंक आगे बेहद लचीले ढंग से कामकाज जारी रखें। इस अवसर पर दास ने मौद्रिक नीति की समीक्षा के समय के अपने बयान का जिक्र करते हुए कहा, ''देश ने महामारी के काल में साथ काम करके दिखाया है और अब समय आ गया है कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि का वाहक बन सकता है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में

दिसंबर के पहले 10 दिन में बिजली की खपत बढ़कर 34.23 अरब यूनिट

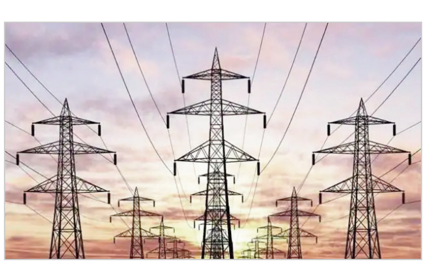

नई दिल्ली।

देश में बिजली की खपत दिसंबर के पहले 10 दिन में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 1.3 प्रतिशत बढ़कर 34.23 अरब यूनिट (बीयू) पर पहुंच गई। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले साल समान अवधि में बिजली की खपत 33.78 अरब यूनिट रही थी। दिसंबर, 2020 के पूरे महीने में बिजली की खपत 105.62 अरब यूनिट रही थी। वहीं दिसंबर, 2019 में यह 101.08 अरब यूनिट थी। विशेषज्ञों का कहना है कि दिसंबर में बिजली की मांग में सुधार की प्रमुख वजह देशभर में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आना है। दिसंबर के पहले 10 दिन में व्यस्त समय में पूरी की गई बिजली की मांग या दिन में बिजली की सबसे अधिक आपूर्ति 169.12 गीगावॉट रही। दिसंबर, 2020 की समान अवधि में यह 165.42 गीगावॉट दर्ज की गई थी। पूरे दिसंबर, 2020 में व्यस्त समय की पूरी की गई बिजली की मांग 182.78 गीगावॉट रही थी, जबकि दिसंबर, 2019 में यह 170.49 गीगावॉट थी। इस साल नवंबर में बिजली की खपत 2.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 99.37 अरब यूनिट रही थी। पिछले साल नवंबर में यह 96.88 अरब यूनिट और नवंबर, 2019 में 93.94 अरब यूनिट थी। अक्टूबर में बिजली की खपत 3.3 प्रतिशत बढ़कर 112.79 अरब यूनिट पर पहुंची थी, जबकि पिछले साल के समान महीने में यह 109.17 अरब यूनिट रही थी। इस साल अप्रैल में कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद कई राज्यों ने लॉकडाउन लगाया था जिससे वाणिज्यिक और औद्योगिक बिजली की मांग में गिरावट आई थी। कोविड संक्रमण में कमी आने के बाद धीरे-धीरे ये अंकुश हटाए गए।

स्पाइसजेट दूर- दराज के इलाकों में स्पाइसएक्सप्रेस ड्रोन डिलीवरी सेवा शुरू करेगी

नई दिल्ली ।

बजट एयरलाइन स्पाइसजेट ने दूरदराज के इलाकों में चिकित्सा और आवश्यक चीजों की आपूर्ति पहुंचाने के लिए स्पाइसएक्सप्रेस ड्रोन डिलीवरी सेवा शुरू करने की योजना बनाई है। स्पाइसजेट को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मई 2020 में ड्रोन परीक्षण करने के लिए औपचारिक मंजूरी मिली थी। विमानन कंपनी एक निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करके अपने लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म का विस्तार करना चाहती है। स्पाइसजेट 0-5 किलोग्राम, 5-10 किलोग्राम और 10-25 किलोग्राम सहित विभिन्न पेलोड के कस्टमाइज्ड ड्रोन पेश करने की योजना बना रही है। शुरुआत में कंपनी की योजना मिड माइल ड्रोन डिलीवरी को लक्षित करने की है। हालांकि यह भविष्य में लास्ट माइल डिलीवरी की तैयारी में भी लगी है। स्पाइसजेट की मालवाहक शाखा स्पाइसएक्सप्रेस, दूर-दराज के क्षेत्रों में टीके, जीवन रक्षक दवाएं और अन्य आवश्यक सामान पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एयरलाइन ने 50 से अधिक कस्टमाइज्ड हाई-एंड ड्रोन्स के लिए थ्रॉटल एयरोस्पेस के साथ भागीदारी की है, जबकि एओलॉजिक ड्रोन सॉफ्टवेयर प्रबंधन प्रदान करेगी। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा, एयरलाइन के ड्रोन व्यवसाय के लिए प्रारंभिक आउटरीच योजना में 150 से अधिक लोकेशंस के साथ 10 जिले शामिल हैं, जबकि प्रतिमाह 25,000 से अधिक डिलीवरी कवर करने का लक्ष्य है। स्पाइसजेट देश भर में रणनीतिक स्थानों पर समर्पित ड्रोन पोर्ट भी स्थापित करेगी। स्पाइसजेट के सीएमडी अजय सिंह ने कहा कि स्पाइसजेट ने नई तकनीकों के साथ इनोवेशन और प्रयोग करना जारी रखा है। हम जल्द ही अपनी ड्रोन डिलीवरी सेवाओं को पेश करने की उम्मीद करते हैं। आपूर्ति श्रृंखला में ड्रोन शामिल करके स्पाइसजेट की लॉजिस्टिक्स शाखा, स्पाइसएक्सप्रेस एक तकनीकी छलांग लगाएगी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अगले बजट में नहीं मिलेगी सरकारी पूंजी

नई दिल्ली।

सरकार वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में पूंजी डालने की घोषणा संभवतः नहीं करेगी। जानकारी के मुतो बिक बैंकों के फंसे कर्ज में कमी आई है और उनकी वित्तीय स्थिति सुधरी है, ऐसे में सरकार द्वारा बजट में ऐसी किसी घोषणा की संभावना नहीं है। अपने संसाधनों को बढ़ाने के लिए बैंकों को बाजार से धन जुटाने और अपनी गैर-प्रमुख संपत्तियों की बिक्री के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनर्पूंजीकरण के लिए 20,000 करोड़ रुपये तय किए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2022 को नरेंद्र मोदी 2.0 सरकार का चौथा बजट पेश करेंगी। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ बढ़कर 14,012 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। यह सितंबर, 2021 में समाप्त दूसरी तिमाही में और बढ़कर 17,132 करोड़ रुपए हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही का कुल लाभ पिछले पूरे वित्त वर्ष में अर्जित कुल लाभ के बराबर है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान सरकारी बैंकों ने 58,697 करोड़ रुपए का पूंजीगत कोष जुटाया था। यह किसी एक वित्त वर्ष में जुटाई गई सबसे अधिक राशि है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) जून, 2021 के अंत तक बढ़कर 14.3 प्रतिशत हो गया, जबकि उनका प्रावधान कवरेज अनुपात बढ़कर आठ साल के उच्चस्तर 84 प्रतिशत पर पहुंच गया। कुछ गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के लिए बैंकों ने 100 प्रतिशत तक प्रावधान किया है। सरकार ने बैंकों से कहा है कि वे वसूली प्रक्रिया पर ध्यान दें। इससे उनकी वित्तीय सेहत और सुधरेगी।

सरकारी बैंकों का एनपीए 31 मार्च, 2019 को 7,39,541 करोड़ रुपढ था, जो 31 मार्च, 2020 तक घटकर 6,78,317 करोड़ रुपए और 31 मार्च, 2021 (अस्थायी आंकड़े) को 6,16,616 करोड़ रुपए पर आ गया। कोरोना महामारी की वजह से 2020-21 में अर्थव्यवस्था में संकुचन के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल लाभ 31,816 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले पांच साल का सबसे ऊंचा स्तर है।

सफेद गेंद क्रिकेट में कोहली और खतरनाक हो सकते हैं : गंभीर

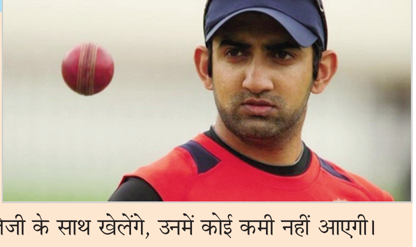

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को लगता है कि वनडे कप्तानी से मुक्त होने के बाद विराट कोहली सीमित ओवरों के क्रिकेट में और भी खतरनाक बल्लेबाज बन सकते हैं। फिलहाल कोहली पिछले दो सालों से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार 2019 में शतक लगाया था। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स शो फॉलो द ब्लूज पर एक बातचीत के दौरान कहा, भारत कोहली को शानदार प्रदर्शन करते हुए देखेगा, चाहे वह कप्तान हो या नहीं। रेड-बॉल क्रिकेट में रोहित शर्मा भी वही करते नजर आएंगे। कप्तान से मुक्त होने के बाद कोहली सफेद गेंद वाले क्रिकेट में और अधिक खतरनाक हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे यकीन है कि वह भारत को गौरवान्वित करेंगे, वह सफेद गेंद वाले क्रिकेट या लाल गेंद वाले क्रिकेट में रन बनाते रहेंगे। साथ ही, दो अलग-अलग कप्तान होने से टीम के लिए और बेहतर हो सकेगा। गंभीर ने आगे कहा कि सीमित ओवरों की कप्तान से मुक्त होने बावजूद कोहली उसी तेजी के साथ खेलेंगे, उनमें कोई कमी नहीं आएगी।

द.अफ्रीका में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं मयंक

द्रविड़ की सलाह से हासिल किया फार्म

मुम्बई ।

सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल अब द.अफ्रीका दौरे में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। मयंक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में शतक जबकि दूसरी पारी में अर्धशतक लगाया था। मयंक ने पहली पारी में 150 और दूसरी में 62 रन बनाये थे। इसी प्रदर्शन के कारण उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भी टीम में जगह मिली है। अब मयंक का प्रयास टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह पाना रहेगा हालांकि इसके लिए उनकी टक्कर लोकेश राहुल से रहेगी। मयंक ने कहा है कि अगर उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह नहीं मिलती है तो वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए तैयार हैं। मयंक इस सीरीज से पहले खराब दौर से गुजर रहे थे पर टीम के नये मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की एक सलाह ने उनकी बल्लेबाजी को बेहतर बना दिया। इससे पहले मयंक रनों के लिए संघर्ष कर रहे थे और पिछले दो साल से कोई शतक नहीं लगा पाये थे। वहीं कोच द्रविड़ की दी हुई सलाह मयंक के आम आई और वह अब आत्मविश्वास से बल्लेबाजी कर रहे हैं। द्रविड ने मयंक से कहा कि कि मुझे पता है कि आपने बहुत अधिक रन नहीं बनाए हैं, इसलिए अपनी भावनाओं को काबू में रखें। अपने विचारों को मैनेज करें। इस पर ज्यादा ध्यान न दें। द्रविड़ ने खेल से जुड़े मानसिक पहलू को बेहतर ढंग से समझने में मयंक की सहायता जबकि बल्लेबाजी के तकनीकी पहलू को लेकर कहा कि इसी के कारण आपने अतीत में काफी रन बनाए हैं। इसलिए उसपर जमे रहो। रन अपने आप आएंगे। उन चीजों को वापस करें, जिन्होंने आपके लिए काम किया है। मयंक ने इस सीख को अपनाया जिसके कारण ही वह एक बार फिर लय हासिल करने में सफल रहे हैं।

भारतीय मूल के मोनांक पटेल होंगे अमेरिका की वनडे टीम के नए कप्तान

न्यूयॉर्क ।

भारतीय मूल के अमेरिकी क्रिकेटर मोनांक पटेल को अमेरिका की वनडे क्रिकेट टीम का कप्तान बनाया गया है। मोनांक सौरभ नेत्रवलकर की जगह पर यह जिम्मेदारी संभालेंगे। सौरभ ने दो महीने पहले टी-20 कप्तानी भी छोड़ दी थी और तब भी उनकी जगह पर मोनांक को टी-20 कप्तानी सौंपी गई थी। अमेरिकी क्रिकेट ने इसकी घोषणा की है, हालांकि इसमें यह नहीं बताया गया है कि क्या सौरभ स्वेच्छा से पद छोड़ रहे हैं, जैसा कि उनके अक्टूबर में टी-20 कप्तानी छोड़ने के वक्त हुआ था। अमेरिकी क्रिकेट के सूत्रों के मुताबिक विश्व कप लीग दो में लंबे समय तक निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चयनकर्ता पिछले कुछ समय से सौरभ की जगह किसी अन्य पर नजर रख रहे थे, इसलिए यह अटकलों का विषय है कि क्या सौरभ ने खुद चयनकर्ताओं को छोटे प्रारूप में अपने कर्तव्यों से मुक्त होने के लिए कहा। सौरभ ने मोनांक को वनडे कप्तान बनाए जाने के बाद एक बयान में कहा कि मुझे ओमान में क्वालीफाइंग डिवीजन तीन के अनमोल पलों के लिए एक लीडर के रूप में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। इसके अलावा नामीबिया में ऐतिहासिक वनडे जीत, फ्लोरिडा में काफी डब्ल्यूसीएल मैच जीतना और सुपर 50 टूर्नामेंट में मजबूत टीमों के खिलाफ जीत मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती है। यह टीम मेरे दूसरे परिवार की तरह है। हमने जहां से शुरुआत की थी, वहां से हम काफी आगे बढ़ चुके हैं। पूर्व वनडे कप्तान सौरभ ने कहा कि मैं मुख्य रूप से टीम में एक सीनियर तेज गेंदबाज के रूप में अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं मोनांक और आरोन को अपनी शुभकामनाएं और पूर्ण समर्थन देना चाहता हूं और मुझे विश्वास है कि हम सभी मिलकर इस टीम को एक परिवार के रूप में आगे बढ़ाएंगे। भारत में वनडे विश्व कप 2023 में खेलना हमारा सपना है और हम इसे साकार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

40 साल के हुए युवराज, विराट ने पुराने दिनों को याद किया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज रहे युवराज सिंह रविवार को 40 साल के हो गये। यूवी के नाम से लोकप्रिय इस बल्लेबाज को जन्मदिन पर क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों से भी बधाइयां मिल रही हैं। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली ने भी इस अवसर पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर युवराज साथ बिताये पुराने क्षणों को याद किया है। इस वीडियो में विराट ने युवराज के साथ पहली बार मुलाकात की बातें प्रशंसकों से साझा की हैं। विराट कहा कि जब मैं अंडर-19 विश्व कप से टीम में आया था। तब उन्होंने मेरा बहुत अच्छी तरह से स्वागत किया और मुझे सहज बनाया। उन्होंने मेरे साथ हंसी मजाक कर माहौल को बेहतर बनाया। साथ ही कहा कि हमें एक ही तरह का खाना पसंद है, हम दोनों पंजाबी हैं और हमें पंजाबी गीत पसंद है। युवराज ने अपने 17 साल के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर में धमाकेदार बल्लेबाजी के साथ ही अहम अवसरों पर विकेट भी लिए हैं। युवराज ने साल 2019 को क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने 304 एकदिवसीय, 58 टी20 और 40 टेस्ट मैच खेले। वह टीम के मैच विजेता खिलाड़ी रहे हैं। साल 2011 एकदिवसीय विश्व कप में वह मैन ऑफ द सीरीज भी रहे हैं।

हमेशा से अनिश्चित काल के लिए रहती है भारतीय टीम की कप्तानी, यह है कारण

नई दिल्ली ।

विराट कोहली को वनडे टीम की कप्तानी से हटाए जाने के बाद यह समझ लेना चाहिए कि भारतीय टीम की कप्तानी हमेशा से अनिश्चित काल के लिए रहती है। जब आप इस पद पर होते हैं तो सारी ताक़त आपके पास होती हैं लेकिन यह बात भी सच है कि आपको कभी भी इस पद से हटाया जा सकता है। भारत ने आंकड़ों के अनुसार अपने सबसे सफल वनडे कप्तान को कप्तानी से हटाया है। 33 वर्षीय कप्तान को जिसने तीन महीने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद वनडे और टेस्ट में कप्तानी जारी रखने की इच्छा ज़ाहिर की थी। और तो और यह बदलाव लंबे समय के भविष्य को ध्यान में रखकर नहीं किया गया है क्योंकि नया कप्तान पुराने कप्तान से डेढ़ साल बड़ा है। भारत में इससे पहले कब इस उम्र के क्रिकेटर को कप्तानी सौंपी गई थी। अनिल कुंबले को 37 साल की उम्र में कप्तानी दी गई थी। वैसे वह फ़ैसला भी दीर्घकालिक नहीं था लेकिन उसके पीछे कई ताकिर्क कारण भी थे। राहुल द्रविड़ के इस्तीफ़े के बाद यह नियुक्ति ज़रूरी हो गई थी और एमएस धोनी छोटे फ़ॉर्मेट के क्रिकेट में कप्तानी कर रहे थे। एक बात तय है कि अब जो हो रहा है वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा किया गया है। भारतीय क्रिकेट में कप्तानी में किसी भी बदलाव की पुष्टि बोर्ड अध्यक्ष द्वारा की जानी चाहिए। तो अभी चयनकर्ता और बीसीसीआई अध्यक्ष स्पष्ट रूप से मानते हैं कि भारतीय क्रिकेट में पिछले कप्तान, जिसके तहत भारत ने हर दो मैच में हार की तुलना में पांच मैच जीते हैं और जिसके नेतृत्व में टीम दो आईसीसी टूर्नामेंटों के फाइनल और सेमीफ़ाइनल में गई, से भी एक बेहतर कप्तान है। यह भी संभव है कि चयनकर्ताओं और बीसीसीआई ने आंकड़ों के परे किसी और तरीक़े का मापदंड तैयार किया हो। टी20 विश्व कप के अलावा सभी टूर्नामेंटों में आप भारतीय टीम के स्तर को ध्यान में रखते हुए उनसे सेमीफ़ाइनल में प्रवेश करने की उम्मीद करते हैं।

विराट कोहली की कप्तानी में टीम ने बड़ी आसानी ने नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। विराट के नेतृत्व में भारत ने अपने दो सबसे बड़े मैच-विजेताओं को यानि कि दो उंगलियों के स्पिनरों को टीम से बाहर करने का साहसिक कदम उठाया, लेकिन उन्होंने इसमें देर कर दी थी। 2017 चैंपियंस ट्रॉफ़ी में वे एकमात्र ऐसी टीम थी, जिसमें कलाई का स्पिनर नहीं था। इसके लिए कौन जिम्मेदार था, यह कभी पता नहीं चल पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लिश प्रीमियर लीग की शीर्ष तीन टीमें जीती, खिताब की जंग हुई तेज

लंदन । इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमों ने शनिवार को दूसरे हाफ में पेनल्टी की बदौलत अपने मुकाबले जीते जिससे खिताब की जंग तेज हो गई है। रहीम स्टर्लिंग ने 66वें मिनट में पेनल्टी पर लीग का अपना 100वां गोल दागा जिससे मैनचेस्टर सिटी ने घरेलू मैदान पर वोल्वरहैम्पटन को 1-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर एक अंक की बढ़त बरकरार रखी है। दूसरे स्थान पर मौजूद लीवरपूल ने भी 67वें मिनट में मोहम्मद सालाह के पेनल्टी पर दागे गोल की मदद से एस्टन विला को 1-0 से शिकस्त दी। तीसरे स्थान पर चल रहे चेल्सी ने लीड्स यूनाईटेड को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया। जोर्गिन्हो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में पेनल्टी पर गोल दागकर चेल्सी की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले राफिन्हा ने 28वें मिनट में पेनल्टी पर गोल दागकर लीड्स को बढ़त दिलाई थी लेकिन मेसन माउंट ने 42वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। जोर्गिन्हो ने 58वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके चेल्सी को बढ़त दिलाई लेकिन 83वें मिनट में जो गेलहार्ट ने स्कोर 2-2 कर दिया। जोर्गिन्हो ने अंतिम लम्हों में पेनल्टी पर एक और गोल करके चेल्सी को जीत दिलाई। सिटी के 16 मैचों में 38 अंक हैं और वह शीर्ष पर है। लीवरपूल और चेल्सी के भी इतने ही मैचों में क्रमशः 37 और 36 अंक हैं।

कमिंस ने जीत का श्रेय पूरी टीम को दिया

ब्रिस्बेन । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पहले ही मैच में मिली शानदार जीत का श्रेय पूरी टीम को दिया है। कमिंस ने कहा कि टीम के मिलकर किये प्रयासों से ही यह जीत मिली है। कमिंस ने ट्वीट किया, गाबा में सीरीज की शानदार शुरुआत, टीम का एक अच्छा प्रयास। अब एडिलेड पर रहेंगी नजरें। नाथन लियोन, डेविड वार्नर और ट्रैविस हेड सहित सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और इसी कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम यहां गाबा में पहले एशेज टेस्ट को जीतने में सफल रहीं। इस मैच में मेजबान टीम ने केवल 5.1 ओवर में जीत दर्ज की। इस मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनो में ही नाकाम रही। कमिंस ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी कर पांच विकेट लिये, वहीं नाथन लियोन ने अपने 400 विकेट पूरे किये। इससे पहले पहली पारी में ट्रैविस हैड ने शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को अच्छी खासी जीत दिलायी जबकि इंग्लैंड टीम अपनी पहली पारी में मेजबान गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी और 147 रनों पर ही सिमट गयी।

धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड पर भारी जुर्माना, पूरी मैच फीस कटी

आचार संहिता उल्लंघन के लिए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हेड की 15 फीसदी मैच फीस कटी

गाबा ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज के पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली हार के बाद मेहमान टीम इंग्लैंड को एक और झटका लगा है। धीमी ओवर गति के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड की मैच फीस काट ली है। उसपर 100 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके अलावा उसे पांच अंकों का भी नुकसान हुआ है। आईसीसी के अनुसार तय समय में पांच ओवर कम गेंदबाजी करने के कारण आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी डेविड बून ने इंग्लैंड को यह सजा दी है। आईसीसी के नियमों के अनुसार आवंटित समय में ओवर पूरा करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच का 20 फीसदी जुर्माना लगाया जाता है।आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अनुसार तय समय में ओवर पूरा करने में विफल रहने पर हर ओवर के लिए एक अंक काटने का भी प्रावधान है। इसके अनुसार इंग्लैंड के कुल अंकों में से पांच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक भी कम कर दिये गये हैं। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड पर आईसीसी आचार संहिता के स्तर एक का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। हेड ने खिलाड़ियों एवं टीम के सहयोगी सदस्यों के आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन किया था। यह अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अभद्र भाषा के इस्तेमाल से जुड़ा है। इसके अलावा, हेड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। यह 24 महीने की अवधि में उनका यह पहला अपराध था।

यह मामला ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 77वें ओवर का है जब हेड ने बेन स्टोक्स की गेंद पर शॉट लगाने के बाद अभद्र का इस्तेमाल किया था।

एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट से बाहर हुए हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड मांसपेशियों में खिंचाव आने के कारण एडीलेड में इंग्लैंड के खिलाफ वाले एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट से बाहर हो गये हैं। पहले क्रिकेट टेस्ट में जीती मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है पर हेजलवुड के नहीं खेलने से उसे झटका जरुर लगा है। हेजलवुड की जगह दूसरे टेस्ट में झाय रिचर्डसन को शामिल किया गया है। रिचर्डसन इस प्रकार अपने करियर का तीसरा टेस्ट खेलेंगे। इससे पहले उन्हें साल 2019 में श्रीलंका के खिलाफ खेलने का अवसर मिला था। पहले टेस्ट में खेल के चौथे दिन ही हेजलवुड की फिटनेस को लेकर संदेह जाया जा रहा था। तब वह केवल आठ ओवर के बाद ही पेवेलियन लौट गये थे। तब कप्तान पैट कमिंस ने इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान हेजलवुड को फिटनेस संबंधी परेशानी की बात कही थी। कमिंस ने चौथे दिन की कार्रवाई के बाद कहा, हां, कल वह कुछ परेशान था, इसलिए हमने उसे हटाने करने की कोशिश की। मैच के बाद कमिंस ने हेजलवुड की चोट के बारे में कहा कि पांच टेस्ट मैचों की लंबी श्रृंखला होने के कारण हम उसे जबरदस्ती टीम में शामिल करने का प्रयास नहीं करना चाहेंगे।

पाक दौरे पर पहुंचे वेस्टइंडीज के तीन क्रिकेटर कोरोना पॉजिटिव पाये गये

सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर हुए

जमैका ।

पाकिस्तान दौरे पर गये वेस्टइंडीज के तीन क्रिकेटरों के साथ ही एक सदस्य भी कोरोना संक्रमित पाया गया है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) के अनुसार शेल्डन कॉटरेल, ऑलराउंडर रोस्टन चेज और काइल मेयर्स पॉजिटिव पाये जाने के कारण सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर हो गये हैं। इन सभी को पृथकवास में भेज दिया गया है। सीडब्ल्यूआई ने अपने एक बयान में कहा, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शेल्डन कॉटरेल, ऑलराउंडर रोस्टन चेज और काइल मेयर्स और एक गैर-कोचिंग स्टाफ सदस्य कराची में पॉजिचिव पाया गया है। इसलिए सीमित ओवरों की सीरीज में ये भाग नहीं लेंगे। साथ ही कहा कि संक्रमित पाये गये सभी खिलाड़ियों का टीकाकरण हुआ था और दौरे पर रवाना होने से पहले इनमें किसी में भी कोई लक्षण भी नहीं थे। ये सभी 10 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रहेंगे जब तक वे पीसीआर टेस्ट में नेगेटिव नहीं आते तब तक खेल से दूर रहेंगे। इस बारे में सीडब्ल्यूआई के मुख्य कार्यकारी जॉनी ग्रेव ने कहा, पाक में पहुंचने के बाद हुए परीक्षण प्रोटोकॉल में 4 सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाये गये हालांकि यह परीक्षण जब हुआ तब खिलाड़ी पहले से ही क्वारंटाइन में थे, ऐसे में यह हमारे लिए एक बड़ा झटका है पर इसके बाद भी हम यह दौरा जारी रखेंगे क्योंकि बाकी सभी सदस्य निगेटिव पाये गये हैं। कोविड-19 संक्रमण के जोखिम को क्रिकेट दौरे से पूरी तरह से हटाना असंभव है, इस तथ्य के बावजूद कि हमारे कई साथ ही कहा कि ये सभी खिलाड़ी कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) से पहले से लगातार जैव-सुरक्षित माहौल में रह रहे थे। उन्होंने माना कि तीन प्रमुख खिलाड़ियों के इस प्रकार बाहर होने से टीम की तैयारियां प्रभावित होंगी। कॉटरेल, रोस्टन और मेयर्स की जगह अब टीम को वैकल्पिक खिलाड़ियों का चयन करना होगा।

बेंगलुरु के मुख्य कोच ने ISL में छेत्री की खराब लय को लेकर कही ये बात

बम्बोलिम ।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग के मौजूदा सत्र में अभी तक छह मैचों में एक भी गोल नहीं किया है, लेकिन उनकी टीम बेंगलुरू एफसी के मुख्य कोच मार्को पेजाउली इस करिश्माई खिलाड़ी के लय को लेकर चिंतित नहीं है। पेजाउली ने कहा कि छेत्री भी इंसान है और यह उनके लिए मुश्किल समय है लेकिन टीम अपने कप्तान का समर्थन कर रही है। पेजाउली ने एफसी गोवा के खिलाफ शनिवार को 1-2 से हार का सामना करने के बाद कहा, 'वह (छेत्री) भी एक इंसान हैं। कभी-कभी आपकी किस्मत अच्छी नहीं होती। राष्ट्रीय टीम के साथ उन्हें किस्मत का साथ मिला और गेंद कई बार उनके पास रहती थी। उन्होंने वहां पांच गोल किये।% कोच ने कहा, 'यह मुश्किल समय है। उन्हें टीम का समर्थन प्राप्त है और उन्होंने टीम के लिए जिस तरह का प्रदर्शन किया है वह शानदार है। उसे बॉक्स के अंदर (विरोधी टीम के गोल पोस्ट के पास) भाग्य की और जरूरत है। वह काफी मेहनत कर रहे है और आपको इसका नतीजा जल्द ही दिखेगा।' छेत्री को आईएसएल का सर्वोच्च गोल करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए सिर्फ दो गोल की जरूरत है। वह इस सत्र में दो बार पेनल्टी को गोल में बदलने से चूक गए। शनिवार को एफसी गोवा के खिलाफ भी वह बेहद करीब से आसान मौके को भुनाने में सफल नहीं रहे। आईएसएल में छेत्री का यह 100वां मैच था। पेजाउली ने कहा, 'इस मैच में उसके पास शानदार मौका था, आम तौर पर ऐसे मौके पर वह आंख बंद कर के भी गोल कर देता है।' कोच से जब पूछा गया कि क्या टीम अंतिम एकादश में छेत्री के विकल्प के तौर पर किसी खिलाड़ी को देख रही है तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमें सुनील के बारे में ज्यादा बात करनी चाहिए। मैं किसी एक खिलाड़ी को बाहर नहीं करता। हम एक टीम के रूप में मैच हारे है और मुझे लगता है कि यह ज्यादा महत्वपूर्ण है।% बेंगलुरु की इस

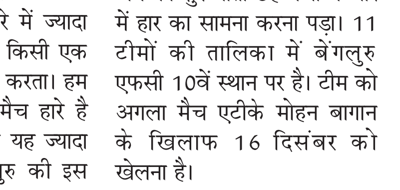

टीम को शुरुआती छह मैचों में चार में हार का सामना करना पड़ा। 11 टीमों की तालिका में बेंगलुरु एफसी 10वें स्थान पर है। टीम को अगला मैच एटीके मोहन बागान के खिलाफ 16 दिसंबर को खेलना है।

मेरे फुटबाल खेलने पर मुझे ताने मारने वाले, आज वहीं लोग मुझे मेरी तारीफ कर रहे हैं

नई दिल्ली । ब्राजील के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में गोलकर सुर्खियों में आने वाली भारतीय महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी मनीषा कल्याण ने कहा कि जो लोग लड़कों के साथ उनके फुटबॉल खेलने पर ताना मारते थे वे अब उनकी तारीफ करते है। एएफसी एशियाई कप की तैयारियों के तहत भारतीय टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए ब्राजील का दौरा किया था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में मनीषा ने कहा,जब मैं स्कूल में थी,तब अपने गांव के लड़कों के साथ खेलती थी।एक-दो बार, मेरे माता-पिता से शिकायत भी कि गई थी कि मैं लड़कों के बीच खेलने वाली अकेली लड़की क्यों हूं।होशियारपुर जिले की 20 साल की खिलाड़ी ने कहा, ''शिकायत करने वालों ने कहा कि एक लड़की के लिए लड़कों के साथ खेलना अच्छा नहीं है, लेकिन मेरे माता-पिता ने हमेशा मेरा साथ दिया।इसकारण मैंने उन शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया।''मनीषा ने कहा कि ब्राजील से लौटने के बाद स्थिति में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा,गांव के कई लोग मेरे माता-पिता से मिलकर उन्हें बधाई देकर कहा कि मैंने सही (खेल को करियर के रूप में चुनकर) कदम उठाया है। मनीषा ब्राजील की पूर्व दिग्गज रोनाल्डिन्हो की बड़ी प्रशंसक है।मेरे गाँव में मेरे दोस्त मुझे 'डिन्हो' कहते थे। जब मैंने पहली बार अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया,तब उसका नाम 'एमकेडी'था जिसका मतलब मनीषा कल्याण डिन्हो था। मनीषा ने कहा, मुझे (लियोनेल) मेस्सी का खेल पसंद है। वह शानदार तरीके से पास देते है और गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाते है।''

मोक्षदा एकादशीः इस व्रत के प्रभाव से पूर्वजों को होती है मोक्ष की प्राप्ति

हर वर्ष मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर उपवास रखा जाता है। मोक्ष की प्रार्थना के लिए यह एकादशी मनाई जाती है। मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती एक दिन ही पड़ती है। इस दिन भगवान कृष्ण ने महाभारत में अर्जुन को भगवद गीता का उपदेश दिया था।

माना जाता है कि इस दिन उपवास रखने और भगवान कृष्ण की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और पूर्वजों को स्वर्ग तक पहुंचने में मदद मिलती है। मोक्षदा एकादशी की तुलना मणि चिंतामणि से की जाती है, मान्यता है कि इस दिन पूजा-अर्चना करने और उपवास रखने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस साल मोक्षदा एकादशी 14 दिसंबर को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत के प्रभाव से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। व्रतियों के सभी पापों का नाश होता है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रत्येक माह की 11वीं तिथि को एकादशी कहते हैं। एकादशी को भगवान विष्णु को समर्पित एक दिन माना जाता है। एक महीने में दो पक्ष होने के कारण दो एकादशी आती हैं, एक शुक्ल पक्ष की और दूसरी कृष्ण पक्ष की। इस प्रकार, एक वर्ष में कम से कम 24 एकादशी हो सकती हैं, लेकिन अधिक मास (अतिरिक्त महीने) के मामले में यह संख्या 26 भी हो सकती है।

मोक्षदा एकादशी का मुहूर्त

इस वर्ष मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का प्रारंभ 13 दिसंबर दिन सोमवार को रात 09 बजकर 32 मिनट से हो रहा है.एकादशी तिथि अगले दिन 14 दिसंबर को रात 11 बजकर 35 मिनट तक है। व्रत के लिए उदयातिथि ही मान्य होती है, इसलिए मोक्षदा एकादशी का व्रत 14 दिसंबर दिन मंगलवार को रखा जाएगा।

एकादशी तिथि प्रारंभ: 13 दिसंबर, रात्रि 9: 32 बजे से
एकादशी तिथि समाप्त: 14 दिसंबर रात्रि 11:35 बजे पर
व्रत का पारण: 15 दिसंबर सुबह 07:05 बजे से प्रात: 09: 09 बजे तक

मोक्षदा एकादशी का महत्व

मोक्षदा एकादशी का अर्थ है मोक्ष प्रदान करने वाली एकादशी। इस एकादशी का उपवास करने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष प्राप्त होता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था, इसलिए मोक्षदा एकादशी का महत्व और बढ़ जाता है।

व्रत विधि

- ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि के बाद घर और पूजा के स्थान की सफाई करें
- घर के मंदिर में भगवान को गंगाजल से स्नान कराएं और उन्हें वस्त्र अर्पित करें।
- भगवान को रोली और अक्षत का तिलक लगाकर भोगसवरूप फल आदि अर्पित करें।
- इसके बाद नियमानुसार भगवान की पूजा अर्चन कर उपवास आरंभ करें।

मोक्षदा एकादशी व्रत रखने के 2 फायदे

मोक्षदा एकादशी का मतलब मोक्ष देने वाला एकदशी। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार मार्गशीर्ष के कृष्ण पक्ष में उत्पन्ना एवं शुक्ल पक्ष में मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार 14 दिसंबर मंगलवार को है मोक्षदा एकादशी।

मोक्षदा एकादशी व्रत रखने के फायदे

- द्वापर युग में इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में गीता ज्ञान दिया था। अत: इस दिन गीता जयंती भी मनाई जाती है। इस साल गीता जयंती की 5158वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी।
- मोक्षदा एकादशी मोक्ष देने वाली होती है। विधिवत इसका व्रत रखने से देवता और पितर तृप्त होते हैं।
- मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत रखकर गीता पाठ करना या श्रीकृष्ण की आराधना करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है और सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है।

मोक्षदा एकादशी व्रत की पूजा विधि

- मोक्षदा एकादशी का व्रत का प्रारंभ दशमी तिथि को दोपहर के भोजन के बाद ही शुरु हो जाता है। रात्रि का भोजन नहीं किया जाता है।
- दूसरे दिन प्रात: काल उठकर स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प लिया जाता है।
- व्रत संकल्प के बाद भगवान विष्णु के साथ ही श्रीकृष्ण, महर्षि वेद व्यास और श्रीमद् भागवत गीता को पूजा स्थल पर एक अच्छे से पाट पर विधिवत रूप से स्थापित कर लें।
- अब षोडशोपचार पूजन करें अर्थात 1.पाद्य 2.अरघ्य 3.आचमन 4.स्नान 5.वस्त्र 6.आभूषण 7.गन्ध 8.पुष्प 9.धूप 10.दीप 11.नैवेद्य 12.आचमन 13.ताम्बूल 14.स्तवन पाठ 15.तर्पण और 16.नमस्कार करें। इसी तरह से रात्रि में भी पूजा और जागरण करें।
- दूसरे दिन पूजन और पारण के बाद जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन और दान-दक्षिणा दें और उसके बाद भोजन ग्रहण करें।

सूर्य देव करते हैं यहां नरसिंह भगवान का अभिषेक

विष्णु भगवान के पांचवें अवतार नरसिंह के मंदिर यूं तो देश भर में कई जगह हैं, लेकिन राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खंडेला का नरसिंह मंदिर कई मायने में अनोखा है। इस मंदिर की पहली खासियत यह है कि यहां स्थित मूर्ति में नरसिंह अपने उस विकराल स्वरूप में नजर आते हैं, जिसमें वह अपनी जंघा पर हिरण्यकश्यपु का वध कर रहे हैं। दूसरी और बड़ी खासियत यह है कि छह सौ से भी अधिक वर्ष पहले चतुर शिल्पियों ने इस मंदिर का निर्माण इस प्रकार किया था कि उत्तरायण और दक्षिणायण में सूर्य की पहली किरणें नरसिंह भगवान पर पड़ती हैं।

इस मंदिर के बारे में प्रचलित कथा के अनुसार, तेरहवीं शताब्दी में अलवर से यहां आकर बसे खंडेलवाल वैश्य राजाराम चौधरी के तीन पुत्रों में से एक चाढ़ बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे और नरसिंह भगवान को अपना इष्ट मानते थे। एक बार दक्षिण भारत से खंडेला में आए साधु-संतों ने उनकी सेवा से प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद दिया कि जल्द ही उन्हें अपने इष्ट के दर्शन होंगे। कुछ दिन बाद नरसिंह भगवान ने उनके सपने में आकर एक जगह दबी हुई अपनी मूर्ति के बारे में बताया। चाढ़ ने उस जगह जाकर खुदाई करवाई और वर्ष 1382 में नरसिंह जयंती यानी वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के दिन प्राप्त हुई उस मूर्ति को निकलवा कर अपनी हवेली में स्थापित करवा दिया। खुदाई वाली जगह पर उन्होंने एक तालाब बनवा दिया, जिसे आज भी चाढ़ोड़ा के नाम से जाना जाता है। राजा दलपत सिंह ने इस मंदिर का निर्माण कार्य आरम्भ करवाया और आखिर वर्ष 1387 में नरसिंह जयंती के दिन वह मूर्ति इस मंदिर में स्थापित की गई।

इस बेहद सादगीपूर्ण मंदिर में शेखवाटी क्षेत्र में प्रसिद्ध रंगीन भितिचित्र भी देखने लायक हैं। इस मंदिर में नारियल बांध कर मनौती मानने की प्रथा है, जिसके पूर्ण होने पर लोग यहां आकर प्रसाद चढ़ाते हैं। प्रतिवर्ष नरसिंह जयंती के अवसर पर उत्सव, भंडारा आदि होता है। खंडेलवाल वैश्यों का मूल स्थान होने के कारण देश-विदेश में बसे खंडेलवाल वैश्य अकसर किसी मांगलिक कार्य के लिए यहां आते रहते हैं। इसके अतिरिक्त खंडेला भ्रमण के लिए आने वाले पर्यटक भी यहां अवश्य आते हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से पूरे खंडेला का मोहक दृश्य दिखता है।

कॉर्नर का है मकान तो होंगे 5 नुकसान

लाल किताब मानती है कि यदि मकान अच्छी जगह है तो खराब ग्रह भी अच्छे फल देने लगते हैं और यदि मकान खराब जगह है तो अच्छे ग्रह भी बुरा फल देने लगते हैं। इस बार जानिए कि कोने के मकान के क्या हो सकते हैं 5 नुकसान और इससे बचने के क्या हो सकते हैं उपाय।

कोने का मकान : यदि तीन तरफ मकान एक तरफ खुला या तीन तरफ खुला हुआ और एक तरफ कोई साथी मकान या खुद उस मकान में तीन तरफ खुला होगा तो यह केतु का मकान होगा। केतु के मकान में नर संतानें लड़के चाहे पोते हों लेकिन कुल तीन ही होंगे।

नकारात्मक ऊर्जा

कोने के मकान को केतु का मकान माना जाता है। केतु ग्रह नकारात्मक ग्रह है। कोने के मकान में तीन ओर रास्ते होते हैं जहां पर लोगों का आना जाना तो लगा ही रहता है साथ ही वहां रुककर बातें करना भी लगा रहता जिसके चलते घर में रहने वाले लोग परेशान रहते हैं।

अचानक होने वाली अच्छी और बुरी घटना का मकान

केतु का मकान यह अच्छा भी हो सकता है और खराब भी। अर्थात जो कुछ भी होगा अचानक ही होगा। खिड़कियां, दरवाजे, बुरी हवा, अचानक धोखा होने का खतरा रहता है।

सबसे बुरा फल देता तब

यदि इस मकान के आसपास इमली का वृक्ष, तिल के पौधे या केले का वृक्ष है तो यह पक्के तौर पर केतु का फल देने वाला मकान होगा। इस मकान में बच्चों से संबंधित परेशानी खड़ी हो सकती है।

केतु खाना नंबर तीन

जन्मपत्रिका के भाव 3 में केतु हो तो जातक को दक्षिणामुखी घर में नहीं रहना चाहिए। रहेगा तो बर्बाद हो जाएगा।

घर के अंदर के कोने

आठ कोने के मकान लंबी बीमारी, मुसीबत और मृत्यु को दर्शाता है। शनि अष्टम में होने के संकेत। 18 कोने के मकान है तो धन की हानि, विवाह का नहीं होना। विवाह हो जाए तो विधुर-विधवा योग बनते हैं। इसी तरह 3 और 13 कोने वाला मकान साजिश में बर्बादी को दर्शाता है। 5 कोने वाला मकान संतान की बर्बादी।

कॉर्नर के मकान के नुकसान बचने के उपाय

- यदि मकान के दोनों कोने काटने वाला मार्ग मकान की ओर आता हो तो धन की हानि होगी। यदि मार्ग दाहिनी ओर से घर में आता हो तो महिलाओं पर और यदि मार्ग बायीं ओर से आता है तो घर के पुरुष पर घटना-दुर्घटना का संकट बना रहेगा। इसके उपाय के तौर पर घर का मुख्यद्वार किसी कोने में बनाएं और उसके उपर लाल रंग का झण्डा लगाएं तथा घर के राजमार्ग वाली दीवार पर कांच लगाएं।
- यदि कोई मकान एल सेप में, सड़क के दायीं ओर के मोड़ पर स्थित हो तो इससे घर में रहने वाले व्यक्तियों के करियर में बाधा उत्पन्न होती है और घर के मुखिया की दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में उपाय के दौर पर मुख्यद्वार को घर के मध्य में न बनाकर एक कोने में बनाएं और एक अष्टकोणीय दर्पण रोड की दीवार की तरफ लगाएं।
- यदि कोई मकान आधे चंद्रमा की तरह घेरे में हो तो ऐसे घर में रहने वाले व्यक्तियों को आर्थिक विषमताओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उपाय के तौर पर छोटी झाड़ियां मुख्यद्वार और अर्धचंद्राकार के मध्य में लगाएं।
- दो मार्ग - शेप में यदि मकान की ओर आते हों तो करियर और सेहत पर इसका बुरी असर होता है। उपाय के तौर पर घर के मुख्यद्वार को राजमार्ग से बचाकर एक कोने में बनाएं। सड़क साइड वाले दरवाजे पर छोटी चहारदीवारी बनाएं या छोटे-छोटे पौंधो व झाड़ियों का घेरा भी बना सकते हैं। घर में यदि दो दरवाजे हो तो दोनों को एक साथ न खोलें। एक ओपन तो एक क्लोज रखें।
- यदि मकान सही दिशा में नहीं है तो उसे छोड़ देना ही सबसे बड़ा उपाय है। मकान सही दिशा में हैं तो जिधर कोने खुले हैं वहां की खिड़कियां और दरवाजें किसी वास्तु शास्त्री के अनुसार ही निर्मित कराएं या उस ओर खिड़की दरवाजे न हो तो ही अच्छा।

16 दिसंबर को सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ ही बंद होंगे मांगलिक कार्य

16 दिसंबर, बुधवार की सुबह करीब 4 बजे सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य के इस राशि परिवर्तन से सामान्य काम कर के जीवनयापन कर रहे लोगों को शुभ फल मिलेगा।

साल में 2 बार सूर्य बृहस्पति की राशि में आते हैं और एक महीने के लिए रहते हैं। 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक धनु और 15 मार्च से 15 अप्रैल तक मीन राशि में सूर्य विचरण करते हैं। जब सूर्य और बृहस्पति का संयोग बनता है तो 2 महीनों में किसी भी तरह के मांगलिक काज नहीं किए जाते हैं।

- 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में जाते ही खरमास शुरू हो जाएगा। खरमास के लगते ही मांगलिक कार्यों पर एक बार फिर रोक लग जाएगी। एक माह तक कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होंगे।
- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार खरमास में सभी प्रकार के शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, सगाई, गृहप्रवेश के साथ व्रतारंभ एवं व्रत उद्यापन आदि वर्जित होते हैं।
- सूर्यदेव एक राशि में एक माह तक रहते हैं। इसके बाद ये राशि परिवर्तन करते हैं जिसे संक्रांति कहते हैं जिस भी राशि में सूर्य जाते हैं उसी राशि के नाम से संक्रांति जानी जाती है।
- ऐसे ही जब सूर्यदेव धनु राशि में प्रवेश करते हैं तब खरमास लगता है। मीन संक्रांति होने पर भी खरमास लगता है।
- सूर्य जब-जब गुरु की राशि यानी धनु राशि में रहता है तब तक खरमास माना जाता है। इस समय मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।
- खरमास में मांगलिक कार्यों के संपन्न नहीं होने का एक वैज्ञानिक आधार भी है। सूर्य जब गुरु की राशि धनु और मीन में प्रवेश करता है तो इससे गुरु निस्तेज हो जाते हैं, उनका प्रभाव समाप्त हो जाता है। शुभ कार्यों के लिए गुरु का पूर्ण बलशाली अवस्था में होना आवश्यक है। इसलिए इस एक माह के दौरान शुभ कार्य करना वर्जित रहता है। खासकर विवाह तो बिल्कुल नहीं किए जाते हैं क्योंकि विवाह के लिए सूर्य और गुरु दोनों को मजबूत होना चाहिए।

एक माह बाद मकर राशि में

सूर्य एक माह बाद मकर राशि में प्रवेश करेगा। इस खास दिन को मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करके दान किया जाता है। इस दिन से उत्तरायण प्रारंभ होता है, यानी सूर्य अगले 6 महीने के लिए उत्तरायण होता है। जिसे देवताओं का दिन कहा गया है। विवाह सहित समस्त शुभ कार्य इस दिन से प्रारंभ हो जाते हैं।

भगवान विष्णु का पूजन

खरमास के प्रतिनिधि आराध्य देव भगवान विष्णु हैं। इसलिए इस माह के दौरान भगवान विष्णु की पूजा नियमित रूप से करना चाहिए। खरमास में आने वाली दोनों एकादशियों का भी विशेष महत्व होता है। इनमें व्रत रखकर विधि -विधान से भगवान विष्णु का पूजन करने से समस्त सुखों की प्राप्ति होती है। इस मास में प्रतिदिन स्नानादि से निवृत होकर भगवान विष्णु के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नम: का तुलसी की माला से जाप करें। इस दौरान पीपल के वृक्ष में नियमित जल और कच्चा दूध अर्पित करने से धन-सुख, वैभव की प्राप्ति होती है। दान, पुण्य, जप और भगवान का ध्यान लगाने से कष्ट दूर हो जाते हैं।

सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहा जाता है। धनु राशि में सूर्य के प्रवेश करते ही खरमास आरंभ हो जाएगा। इस माह में मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। 16 दिसंबर की सुबह सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे इसे धनु संक्रांति कहा जाएगा। ये देवगुरु बृहस्पति की राशि है। धनु राशि में सूर्य के आ जाने से मौसम में बदलाव होंगे, जिससे देश के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। जिससे ठंड भी बढ़ सकती है। इस राशि में सूर्य 15 जनवरी तक विराजमान रहेंगे।

वैज्ञानिक पक्ष

सूर्य की तरह गुरु ग्रह में भी हाइड्रोजन और हीलियम की उपस्थिति है। सूर्य की तरह इसका केंद्र भी द्रव्य से भरा हुआ है, जिसमें अधिकतर हाइड्रोजन ही है। पृथ्वी से 15 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित सूर्य तथा 64 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित बृहस्पति ग्रह में वर्ष में एक बार ऐसे जमाव में आते हैं जिनकी वजह से बृहस्पति के कण काफी मात्रा में पृथ्वी के वायुमंडल में पहुंचते हैं। ये कण एक-दूसरे की कक्षा में आकर अपनी किरणों को आंदोलित करते हैं। उक्त कारण से व्यक्ति की मानसिक स्थिति में भी परिवर्तन आता है, जिससे मांगलिक कार्यों में व्यवधान संभावित है। इसी कारण से मंगल कर्म करना निषेध हैं। धनु संक्रांति के दिन भगवान सत्यनारायण की कथा का पाठ किया जाता है। भगवान विष्णु की पूजा में केले के पत्ते, फल, सुपारी, पंचामृत, तुलसी, मेवा आदि का भोग तैयार किया जाता है। सत्यनारायण की कथा के बाद देवी लक्ष्मी, महादेव और ब्रह्मा जी की आरती की जाती है और चरणामृत का प्रसाद दिया जाता है। जो लोग विधि के साथ पूजन करते हैं उनके सभी संकट दूर होते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

अफगानिस्तान में स्थिरता के लिए अमेरिका-पाक में गहरी साझेदारी जरूरीः पीएम इमरान

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि मानवीय संकट और आर्थिक पतन को रोकने के लिए हर संभव उपाय करके अफगानिस्तान में स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने के वास्ते अमेरिका और पाकिस्तान के बीच गहरी साझेदारी होनी चाहिए। अमेरिकी सीनेटरों के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए खान ने कहा कि दोनों देशों को आतंकवाद सहित क्षेत्र में सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए करीबी सहयोग बनाकर काम करना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा आयोजित 'डेमोक्रेसी समिट' का बहिष्कार करने संबंधी फैसले के कारण पाकिस्तान के साथ संबंधों में आये नये तनाव के बीच पाकिस्तान पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को महत्व देता है और सभी क्षेत्रों में, विशेष रूप से आर्थिक पैमाने पर इसका विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

उन्होंने कहा कि शांति, स्थिरता और आर्थिक विकास के साझा उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान और अमेरिका के बीच गहरी साझेदारी होनी चाहिए, विशेष रूप से मानवीय संकट और आर्थिक पतन को रोकने के लिए हर संभव उपाय करके अफगान लोगों का समर्थन करने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करना चाहिए। खान ने आतंकवाद सहित क्षेत्र में सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए घनिष्ठ सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

अमेरिका में ऐतिहासिक विनाशकारी बवंडर का कहर, कम से कम 80 लोगों की मौत

यूयार्क। अमेरिका में केंटुकी राज्य के गवर्नर ने कहा कि चक्रवातों और खराब मौसम के कारण कम से कम पांच राज्यों में व्यापक पैमाने पर नुकसान पहुंचने के बाद राज्य में कम से कम 70 लोगों की मौत होने की आशंका है और मृतकों की संख्या बढ़ रही है।

गवर्नर एंडी बेशिर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंटुकी में 200 मील से अधिक के क्षेत्र में चक्रवात आया और 10 या उससे अधिक काउंटी में मृतकों की संख्या 100 के पार जा सकती है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह हमारे राज्य के इतिहास में सबसे विनाशकारी बवंडर है। बेशिर ने कहा कि मेफील्ड में मोमबत्ती बनाने की एक फैक्टरी, इलिनोइस में एक अमेजन कार्यालय और अरकंसास में एक नर्सिंग होम भी चक्रवात की चपेट में आ गए। चक्रवात के समय मेफील्ड फैक्टरी में करीब 110 लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है और उनके राज्य की मुहलेनबर्ग काउंटी में कम से कम 10 लोगों के मरने की आशंका है तथा बाउलिंग ग्रीन शहर में और उसके आसपास भी अज्ञात संख्या में लोगों की मौत होने की आशंका है। मेफील्ड के मुख्य दमकल केंद्र और आपात सेवा केंद्र के चक्रवात की चपेट में आने के कारण बचाव प्रयास जटिल हो गए हैं।

समिट में 25 से अधिक देशों ने पाकिस्तान को लगाई फटकार, क्षेत्रीय शांति के लिए बताया खतरा

वाशिंगटन। राजनयिकों, राजनेताओं और विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और अपने स्वयं के हित के लिए कट्टरपंथियों का उपयोग करने के लिए पाकिस्तान को फटकार लगाई । वे नई दिल्ली में ढ्ढह्रू रोहतक द्वारा आयोजित 'रेडिकलाइजेशनः थ्रेट्स टू द आर्किटेक्चर ऑफ ग्लोबल स्टेबिलिटी' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे। सम्मेलन में 25 से अधिक देशों के वक्ताओं और प्रतिनिधियों की उपस्थिति देखी गई।

अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत ने निभाई सकारात्मक भूमिकाः इस मौके पर भारत में अफगानिस्तान के राजदूत, फरीद ममुंडजे ने बताया कि अफगान धरती से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बा पाकिस्तानी सेना ने अमेरिकी सेना द्वारा छोड़े गए हथियार और गोला-बारूद को लूट लिया। उन्होंने अपने मुख्य भाषण में कहा, 'पाकिस्तानी सेना बड़ी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद के साथ सैकड़ों सैन्य वाहनों को सियालकोट और पंजाब, पाकिस्तान के अन्य स्थानों पर ले गई, जहां वे अपने सैन्य उपकरणों का निर्माण करते हैं।'

अफगानिस्तान को ब्रिटेन करेगा सहायता

9.95 करोड़ डालर मानवीय सहायता आवंटित करने की बना रहा योजना

लंदन। अफगानिस्तान की मदद के लिए ब्रिटेन सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, 9.95 करोड़ डालर मानवीय सहायता आवंटित करने के लिए ब्रिटेन योजना बना रहा है। ब्रिटेन के विदेश सचिव लिज़् ट्रस ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता का एक और बैच आवंटित करने की योजना बनाई है, जो कि 75 मिलियन पाउंड की राशि में है।

विदेश कार्यालय ने निर्देश किया कि कुल सहायता पैकेज में से 34 मिलियन पाउंड संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) में जाएंगे। स्पुतनिक की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रस ने शनिवार को लिवरपूल में

ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) के विदेश मंत्रियों का स्वागत किया, जहां उन्होंने अफगानिस्तान सहित वैश्विक संघर्षों और क्षेत्रीय संकटों पर चर्चा की।

स्पुतनिक की रिपोर्ट के अनुसार, मानवीय संकट से निपटने के लिए ब्रिटेन ने इस वर्ष अफगानिस्तान को दी जाने वाली सहायता को लगभग 380 मिलियन अमरीकी डालर (286 मिलियन पाउंड) तक बढ़ा दिया है। सितंबर में, यूके ने अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों को सहायता में 30 मिलियन पाउंड भेजे थे। अक्टूबर में भी 50 मिलियन पाउंड आवंटित किए गए थे। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में, ट्रस ने स्टॉकहोम में यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ह्रस्ष्टश्व) मंत्रिस्तरीय परिषद में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ अफगानिस्तान और संबंधित मानवीय मुद्दों पर चर्चा की थी।

बॉस से नाराज महिला कर्मचारी ने उठाया खौफनाक कदम

लंदन। अगर कोई कर्मचारी अपने बॉस से परेशान या तंग रहता है तो उससे बदला लेने के कई तरीके हो सकते हैं। लेकिन थाईलैंड में हैरान करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां अपने बॉस से नाराज महिला कर्मचारी ने उसके गोदाम को आग के हवाले कर दिया। जिससे उसका करोड़ों का नुकसान हो गया। महिला ने कथित तौर पर लाइटर से एक कागज के टुकड़े में आग लगाई और उसे फ्यूल कंटेनर पर फेंक दिया, जिससे प्रपाकोर्न ऑयल गोदाम में आग लग गई।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, '38 वर्षीय आरोपी महिला कर्मचारी का नाम एन श्रिया है। उसने एक तेल गोदाम को इसलिए आग के हवाले कर दिया, क्योंकि वह अपने बॉस की 'शिकायत' और 'तनाव पैदा करने' से तंग आ चुकी थी। महिला कर्मचारी ने कागज के एक टुकड़े में आग लगाई और उसे एक ईंधन कंटेनर पर फेंक दिया, जिससे नाखोन पाथोम प्रांत स्थित प्रपाकोर्न ऑयल गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की लपटों को देखकर इलाके में भगदड़ मच गई। पूरा गोदाम धू-धू कर जलने लगा। 40 से अधिक दमकल गाड़ियों ने आग बुझाने में मशक्कत की। आग पर काबू पाने में आपातकालीन सेवाओं को करीब चार घंटे लग गए।बताया गया कि कंटेनर में हजारों गैलन तेल था. इस घटना से कंपनी को करीब 9 करोड़ का नुकसान हुआ।

जापान का चीन से आग्रह- दक्षिण चीन सागर में जिम्मेदारी के साथ करे कार्य

टोक्यो। जापान ने चीन से आग्रह किया है कि वह दक्षिण चीन सागर में जिम्मेदारी के साथ कार्य करे।टोक्यो की तरफ से चीन से पूर्वी और दक्षिण चीन सागर, हांगकांग और उसके झिंजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में जिम्मेदारी से कार्य करने का आग्रह किया गया है। जापानी विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) कहा कि टोक्यो का इरादा चीन से पूर्वी और दक्षिण चीन सागर, हांगकांग और उसके झिंजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में जिम्मेदारी से कार्य करने का आग्रह करना है।

हयाशी ने कहा कि जापान पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में यथास्थिति को बदलने के चीन के एकतरफा प्रयासों का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि जापान को हांगकांग और झिंजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र में

मानवाधिकार की स्थिति पर भी गंभीर चिंता है। एनएचके वर्ल्ड की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। हयाशी जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के पहले सत्र के दौरान बोल रहे थे, जो शनिवार को लिवरपूल शहर में शुरू हुआ। पहला सत्र चीन, रूस और अन्य क्षेत्रीय स्थितियों पर केंद्रित था। मंत्रियों ने 2022 बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के राजनयिक बहिष्कार पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

कनाडा में 112 किलो कोकीन जब्त, 2 पंजाबी युवक गिरफ्तार

ओंटारियो। कनाडा में पुलिस ने तलाशी अभियान में 112 किलोग्राम कोकीन जब्त कर पंजाबी मूल के 2 युवकों को गिरफ्तार किया है। पिछले कुछ महीनों में, कैनेडियन बॉर्डर सर्विस एजेंसी और ब्रैंटफ़ोर्ड पुलिस ओंटारियो द्वारा एक संयुक्त अभियान बड़े पैमाने पर ड्रग डीलरों को ट्रैक करने की कोशिश कर रहा है। ब्रेंटफ़ोर्ड और उसके आसपास लगातार ड्रग्स बेचने के रूप में पहचाने गए थे।

4 दिसंबर को कनाडा में विंडसर सीमा पर कनाडा के सीमा अधिकारियों को एक ट्रक ट्रेलर में 112 किलोग्राम कोकीन मिला, जो संयुक्त राज्य अमेरिका से कनाडा में प्रवेश किया था। यह ट्रक ट्रेलर मिल्टन (कनाडा) की एक कंपनी का है।

पुलिस ने मामले के सिलसिले में 22 वर्षीय जुगराज प्रीत सिंह और 22 वर्षीय अमरिंदर सिंह को ब्रैम्पटन, कनाडा से गिरफ्तार किया है। ब्रेंटफोर्ड पुलिस के मुताबिक जब्ती में शामिल कई अन्य लोगों को जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है।

वायु प्रदूषण की चपेट में काबुल, अफगानिस्तान सरकार ने जताई चिंता

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल भी इस वक्त वक्त वायु प्रदूषण से बुरी तरह प्रभावित है। यहां पर लगातार एक्यूआई का स्तर बढ़ रहा है। कई इलाकों में एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज हो रहा है। आलम यहा है कि यहां की आबोहवा में लोगों को सांस लेना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में सरकार की तरफ से भी लोगों से अनुरोध किया गया है कि वह बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए वह अपना सहयोग करे। बता दें कि वायु प्रदूषण को लेकर ये चिंता ऐसे वक्त में सामने आई है जब सरकार ने किसी को राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (एनईपीए) का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त नहीं किया है।

काबुल निवासियों ने बताया कि शहर में गंभीर वायु प्रदूषण के चलते सांस की बीमारी की दर बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि ठंड के मौसम में वायु प्रदूषण बहुत बढ़ जाता है क्योंकि लोग ज्यादातर सस्ते ईंधन का उपयोग करते हैं। यहां पर स्थित निवासी नूर गुल ने कहा,

'काबुल में प्रदूषण बढ़ रहा है, और यह बहुत खतरनाक है, जिससे कई समस्याएं और बीमारियां पैदा हो रही हैं।' सरकारी और निजी अस्पतालों के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने काबुल में प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए पुष्टि की है कि सर्दी शुरू होते ही सांस की बीमारियों के मरीज बढ़ जाते हैं। एक डॉक्टर टैंकीन ने कहा, 'प्रदूषण से संबंधित बीमारियां बढ़ रही हैं और कई मरीज अस्पतालों में इलाज के लिए आ रहे हैं।'इस बीच, काबुल नगर पालिका के अधिकारियों ने सभी निवासियों से प्रदूषण कम करने में सहयोग करने का आग्रह किया है। काबुल के डिप्टी मेयर हमदुल्ला नोमानी ने कहा, 'यह हमारी जिम्मेदारी है, और हम अपने प्रयास जारी रखेंगे, इसलिए हम लोगों से सहयोग करने का अनुरोध करते हैं। माना जा रहा है कि यहां पर ज्यादातर लोग कोयले, प्लास्टिक और अन्य सस्ते ईंधन का उपयोग कर रहे हैं, जिससे निवासियों के जीवन को गंभीर खतरा है।

सऊदी अरब ने तब्लीगी जमात पर लगाया बैन, बताया- आतंकवाद का एंट्री गेट

रियाध। सऊदी अरब ने सुन्नी मुसलमानों के सबसे बड़े संगठन तब्लीगी जमात को प्रतिबंधित कर दिया है। सऊदी अरब की सरकार ने जमात को समाज के लिए खतरा बताया है साथ ही इसे आतंकवाद के प्रवेश द्वारों में से एक करार दिया है। सऊदी इस्लामी मामलों के मंत्रालय ने मस्जिदों को जुमे की नमाज के बाद तकरीर में लोगों को उनके साथ जुड़ने के खिलाफ चेतावनी देने का निर्देश दिया। देश के इस्लामी मामलों के मंत्री ने सोशल मीडिया पर सुन्नी इस्लामी संगठन को आतंकवाद के द्वारों में से एक बताते हुए प्रतिबंध का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि तब्लीगी जमात समाज के लिए खतरा है।

सऊदी अरब के इस सख्त फैसले का का तब्लीगी जमात पर गहरा असर पड़ने की संभावना है। भारत में कोरोना महामारी के शुरुआत में दिल्ली में तब्लीगी जमात के जलसे को लेकर भारी बवाल भी हुआ था। मंत्रालय की ओर से सिलसिलेवार ट्वीट में कहा गया कि इस्लामिक मामलों के महामहिम मंत्री डॉ अब्दुल्लातिफ अल अलशेख ने मस्जिदों और मौलवियों से जुमे की तकरीर के दौरान तब्लीगी जमात से लोगों को न जुड़ने की चेतावनी देने का निर्देश दिया है। यह उन मस्जिदों के लिए भी प्रभावी होगा, जहां जुमे की नमाज अस्थायी रूप से की जाती है। सऊदी के धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने चेतावनी देते हुए मे की नमाज के बाद दिए जाने वाली तकरीर में ये विषय शामिल करने को कहा है- तब्लीगी जमात से लोगों के भटकने और ब्रेन वाश होने का खतरा, यह आतंकवाद का एंट्री गेट में से एक है। भले ही वह कुछ और दावा करें। उनकी सबसे प्रमुख गलतियों का जिक्र करें। लोगों को बताएं कि यह संगठन समाज के लिए खतरा है। यह भी बताएं कि सऊदी अरब में तब्लीगी सहित सभी पक्षपातपूर्ण समूहों से संबंध रखना गैर कानूनी है।

पाक के ग्वादर में चीनी प्रोजेक्ट के खिलाफ प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे हजारों लोग

पेशावर। पाकिस्तान के ग्वादर (बलूचिस्तान) में रहने वाले हजारों लोग अपने अधिकारों के लिए व चीनी प्रोजेक्ट के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। लोगों ने 26 दिनों पहले ग्वादर को हक दो नामक आंदोलन की शुरुआत की है। प्रदर्शन में शामिल बड़ी संख्या में महिला और बच्चे राज्य तथा केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। डान समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आम नागरिकों का आंदोलन 'ग्वादर को हक दो' बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

इस मूवमेंट की वजह से पाकिस्तान और चीन की सरकारें मुश्किल में नजर आ रही हैं, क्योंकि यह सीधे तौर पर चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर यानी CPEC से जुड़ा है। पाक और चीन के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोगों अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल लोग अन्य चीजों के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने और ट्रालर माफिया को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। जमात-ए-

इस्लामी के महासचिव (बलूचिस्तान) मौलाना हिदायत-उर-रहमान ने कहा कि प्रदर्शन वास्तव में प्रांतीय व संघीय सरकार के खिलाफ जनमत संग्रह है। जबतक लोगों को उनका अधिकार नहीं मिल जाता, आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने कहा, 'यह वास्तव में वंचित और उत्पीड़ित बलूचिस्तान वासियों का आंदोलन है। इनमें मछुआरे, गरीब श्रमिक व छात्र शामिल हैं।' यह प्रदर्शन बलूच मुत्ताहिद महाज (बीएमएम) के अध्यक्ष यूसुफ मस्ती खान की ग्वादर में गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुआ। वयोवृद्ध बलूच राष्ट्रवादी नेता को देश विरोधी गतिविधियों और लोगों को भड़काने के आरोप में गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान के रावलपिंडी में जम्मू-कश्मीर आवामी वर्कर्स पार्टी की तरफ से आयोजित एक संगोष्ठी में वक्ताओं ने देश में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन का भयावह उदाहरण पेश किया। मानवाधिकार, सिविल सोसाइटी, राजनीतिक व सामजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता, महिला कार्यकर्ता व पत्रकारों ने देश में मानवाधिकार हनन के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई। जम्मू-कश्मीर आवामी वर्कर्स पार्टी अध्यक्ष नासिर शाह एडवोकेट ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी सरकार मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों पर अंकुश लगाने में विफल रही है। सियालकोट में कपड़ा फैक्ट्री के महाप्रबंधक व श्रीलंकाई नागरिक प्रियंता कुमारा की उन्मादी भीड़ द्वारा बर्बर हत्या इसका हालिया उदाहरण है। इस दौरान बीएमएम नेता यूसुफ मस्ती खान की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए पाकिस्तान, गुलाम कश्मीर व गिलगिट बाल्टिस्तान के राजनीतिक बंदियों को रिहा करने की मांग की गई।

मानवाधिकार दिवस पर दुनिया भर में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन, अल्पसंख्यकों के हक में उठाई मांग

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि पाकिस्तान को अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए। इस दौरान विरोध प्रदर्शन वियना, हेग, पेरिस, ताइपे और दुनिया के अन्य शहरों में हुए। हेग में पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदायों जैसे ईसाई, हिंदू और शियाओं के सदस्यों ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को एक विरोध रैली की।

उन्होंने 'पाकिस्तान में जबरन धर्मांतरण बंद करो', 'पाकिस्तान में अल्पसंख्यक अधिकारों का मामला' और 'पाकिस्तान में ईसाई

लड़कियों का अपहरण, बलात्कार और जबरन धर्मांतरण बंद करो' पढ़ने वाले बैनर लिए हुए थे। पाकिस्तान से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदायों के लोग अपने जीवन की रक्षा के लिए यूरोप और दुनिया के अन्य हिस्सों में चले गए हैं। इसी तरह के विरोध पेरिस और वियना में हुए जहां प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान से अल्पसंख्यक अधिकारों का सम्मान करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने पाकिस्तान में कठोर ईशनिंदा कानून के खिलाफ भी आवाज उठाई, जहां अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को नियमित आधार पर निशाना बनाया जा रहा है। दक्षिण कोरिया के बुसान में बलूच राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने फर्जी मुठभेड़ों और बलूच लोगों के अपहरण को उजागर करने के लिए एक प्रदर्शन किया। बलूच रिपब्लिकन पार्टी - दक्षिण कोरिया चैप्टर के अध्यक्ष अमीर बलूच ने कहा, 'बलूचिस्तान में मानवाधिकारों का उल्लंघन दिन-ब-दिन बढ़ रहा है।

हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अनुरोध कर रहे हैं कि वे इस पर ध्यान दें और तत्काल कार्रवाई करें।÷बता दें कि मानव अधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में दुनिया के सभी देशों में मनाया जाता है। 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा की घोषणा की गई। पाकिस्तान में इस दिन को चिह्नित करने के लिए कई विरोध और सेमिनार आयोजित किए गए। जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून की मांग को लेकर पूरे देश में ईसाइयों और हिंदुओं द्वारा एक विरोध रैली आयोजित की गई ।

अफगानिस्तान के लिए मसीहा बना भारत, चिकित्सा सहायता की पहली खेप पहुंचाई काबुल

काबुल। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से लागातार बिगड़ती स्वास्थ्य व्यवस्था से जूझ रहे अफगानिस्तान के लिए भारत मसीहा बनकर सामने आया है। भारत ने मानवीय सहायता के रूप में स्वास्थ्य सामग्री यानि 1.6 मीट्रिक टन जीवन रक्षक दवाओं की पहली खेप अफगानिस्तान भेजी जो शनिवार को काबुल पहुंच गई। भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद ममुंडजे ने ट्विटर पर कहा कि यह सहायता इस कठिन समय में कई अफगान परिवारों की मदद करेगी।

'सभी बच्चों को थोड़ी मदद, थोड़ी उम्मीद और उन पर विश्वास करने वाले किसी की जरूरत है। विदेश मंत्रालय ने पहले दिन में कहा था कि अफगानिस्तान में चुनौतीपूर्ण मानवीय स्थिति को देखते हुए भारत सरकार ने वापसी की उड़ान पर चिकित्सा आपूर्ति की एक खेप भेजी है जो भारतीयों और अफगानों को वापस ले आई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत द्वारा किए गए एक निकासी मिशन के एक हिस्से के रूप में ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत अफगानिस्तान से हिंदू-सिख अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों सहित 10 भारतीयों और 94 अफगानों को राष्ट्रीय राजधानी में लाया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'ऑपरेशन देवी शक्ति' के तहत अब तक कुल 669 लोगों को अफगानिस्तान से निकाला गया है। इसमें सैकड़ों अफगान हिंदू/सिख अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य शामिल हैं। अगस्त 2021 के महीने में 438 भारतीयों सहित 565 लोगों को अफगानिस्तान से निकाला गया था।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)' पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

उपराष्ट्रपति ने लोगों से जोड़ीदार राज्यों की कला और संस्कृति के बारे में जानने का आह्वान किया

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने शहर के पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगू विश्वविद्यालय में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)' पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के क्षेत्रीय आउटरीच ब्यूरो द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में जोड़ीदार राज्यों हरियाणा और तेलंगाना के विभिन्न दिलचस्प पहलुओं जैसे कि अनगिनत कला रूपों, व्यंजन, त्योहार, स्मारक, पर्यटन स्थल, इत्यादि पर प्रकाश डाला गया है। यह प्रदर्शनी 12 से 14 दिसंबर, 2021 तक हैदराबाद के नामपल्ली स्थित पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगू विश्वविद्यालय के परिसर में आम जनता के लिए खुली रहेगी। इस प्रदर्शनी में प्रकाशन विभाग द्वारा कला और संस्कृति की विभिन्न थीम पर पेश की गई उल्लेखनीय पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया है। श्री नायडू ने कहा कि इस तरह की पहल जोड़ीदार राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के प्रचार-प्रसार और लोगों के बीच परस्पर संपर्क को बढ़ावा देने में काफी मददगार साबित होंगी। उन्होंने इस उत्कृष्ट पहल के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय की सराहना की जिसने दोनों राज्यों के लोगों को एक साथ लाया है और इसके साथ ही हमारी समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक धरोहर के बारे में जागरूकता बढ़ाई है। तेलंगाना राज्य के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली और तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी.विनोद कुमार ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के आरओबी, पीआईबी, डीपीडी और आकाशवाणी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने और हमारे देश के लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा की गई एक अनूठी पहल है।

प्रधानमंत्री द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)' कार्यक्रम का शुभारंभ 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर किया गया था, जिन्होंने आजादी के बाद देश के एकीकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जनधन योजना के तहत खुले करोड़ों बैंक अकाउंट्स में से आधे से अधिक महिलाओं के ही हैं: पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में 'जमाकर्ता प्रथम : 5 लाख रुपये तक गारंटीकृत समयबद्ध जमा बीमा भुगतान' पर आयोजित एक समारोह को संबोधित किया।' इस अवसर पर केंद्रीय वित्त मंत्री, वित्त राज्य मंत्री और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कुछ जमाकर्ताओं को चेक भी सौंपे। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश के लिए बैंकिंग सेक्टर के लिए और देश के करोड़ों बैंक अकाउंट होल्डर्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। दशकों से चली आ रही एक बड़ी समस्या का समाधान कैसे निकाला गया है, आज का दिन उसका साक्षी बन रहा है। श्री मोदी ने कहा, ÷आज के आयोजन का जो नाम दिया गया है उसमें 'डिपॉजिटर फर्स्ट' की भावना को सबसे पहले रखना, इसे और सटीक बना रहा है। बीते कुछ दिनों में एक लाख से ज्यादा जमाकर्ताओं को बरसों से फंसा हुआ उनका पैसा वापस मिला है। ये राशि 1300 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई भी देश समस्याओं का समाधान समय पर करके ही उन्हें विकराल होने से बचा सकता है। हालांकि, वर्षों से एक प्रवृत्ति रही कि समस्याओं को टाल दो। आज का नया भारत, समस्याओं के समाधान पर जोर देता है, आज का भारत समस्याओं को टालता नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में बैंक जमाकर्ताओं के लिए बीमे की व्यवस्था 60 के दशक में बनायी गयी थी। पहले बैंक में जमा रकम में से सिर्फ 50 हजार रुपये तक की राशि पर ही गारंटी थी। फिर इसे बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया गया। यानि अगर बैंक डूबा, तो जमाकर्ताओं को सिर्फ एक लाख रुपये तक ही मिलने का प्रावधान था। ये पैसे भी कब मिलेंगे, इसकी कोई तय समय-सीमा नहीं थी। प्रधानमंत्री ने कहा, 'गरीबों की चिंता को समझते हुए, मध्यम वर्ग की चिंता को समझते हुए हमने इस राशि को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया।' कानून में संशोधन करके एक और समस्या का समाधान किया गया। उन्होंने कहा, 'पहले जहां पैसा वापसी (रिफंड) की कोई समयसीमा नहीं थी, अब हमारी सरकार ने इसे 90 दिन यानि 3 महीने के भीतर अनिवार्य किया है। यानि बैंक के डूबने की स्थिति में भी, 90 दिन के भीतर जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस मिल जाएगा।

यूपी में केंद्र और राज्य सरकार के विकास के कामों पर देखकर कुछ लोगों को दिल के दौरे पड़ रहे

एटा ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केन्द्र और यूपी सरकार के विकास कार्यों से विपक्षी दलों में घबराहट होने का दावा कर कहा है कि कुछ लोगों को विकास कार्य देखकर दौरे पड़ने लगे हैं। योगी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ एटा में बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित कर कहा, कुछ लोगों को विकास के काम देखकर विकास के दौरे पड़ने लगे हैं। योगी ने देश के सबसे बड़े गंगा एक्सप्रेस वे का उदाहरण देकर कहा कि जिस दिन प्रधानमंत्री मोदी इस एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करेंगे, उस दिन भी कुछ लोग कहेंगे कि उन्होंने भी ऐसी सड़क बनाने का सपना देखा था, लेकिन बना नहीं पाए। मुख्यमंत्री ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा, ''अब विकास की योजनाओं को देखकर कुछ लोगों को दौरे पड़ने लगते हें और उन्हें इस प्रकार के दौरे पड़ते हैं कि वे कहते हैं कि हम भी ये काम करना चाहते थे लेकिन कर नहीं सके। योगी ने कोरोना काल में भी विपक्षी दल कांग्रेस, बसपा और सपा पर नदारद रहने का आरोप लगाकर कहा कि इन दलों के नेता संकट के समय या विदेश चले गये या अपने घरों में दुबक कर सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार कर रहे थे।

सरकार ने न केवल देश की कला और शिल्प कौशल की विरासत की रक्षा की है: मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हुनरहाट '3-वी' - 'विश्वकर्मा विरासत का विकास' का एक 'शक्तिशाली आदर्श मंच' सिद्ध हुआ है। सरकार ने न केवल देश की कला और शिल्प कौशल की विरासत की रक्षा की है, बल्कि स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार और अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। नकवी ने कहा कि पिछले लगभग 6 वर्षों में 'हुनरहाट' के माध्यम से 7 लाख से अधिक कारीगरों, शिल्पकारों और उनसे जुड़े लोगों को रोजगार और रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। इनमें से लगभग 40 प्रतिशत महिला कारीगर हैं।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 140 करोड़ से अधिक टीके प्रदान किये गए

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 140 करोड़ से अधिक (1,40,20,73,270) खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध

कराई गई हैं। अभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 टीके की 17.93 करोड़ से अधिक (17,93,72,576) अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल हुई खुराकें उपलब्ध है, जिन्हें लगाया जाना है।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों पर होने वाले अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू

नई दिल्ली ।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) (पीओए) अधिनियम, 1989 का उपयुक्त कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 13 दिसम्बर को अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रीय हेल्पलाइन (एनएचएए) का शुभारंभ करेगा। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) (पीओए) अधिनियम, 1989 को अन्य बातों के साथ-साथ, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों पर होने वाले अत्याचारों के निवारण को ध्यान में रखते हुए अधिनियमित किया था। अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रीय हेल्पलाइन (एनएचएए) पूरे देश में सातों दिन हर समय टोल-फ्री नम्बर ÷14566÷ पर उपलब्ध होगी। देश भर में कहीं से भी किसी भी टेलीकॉम ऑपरेटर के किसी भी मोबाइल अथवा लैंड-लाइन नंबर से वॉइस कॉल कर इस हेल्पलाइन से सहायता ली जा सकती है। यह सुविधा हिन्दी, अंग्रेजी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। इसका मोबाइल एप्लीकेशन भी उपलब्ध होगा। इस हेल्पलाइन का उद्देश्य भेदभाव समाप्त करने और सभी को सुरक्षा प्रदान करने वाले कानूनों के उपबंधों के संबंध में सूचनाप्रद जागरूकता का प्रसार करना है। यह प्रणाली सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक शिकायत का एफआईआर के रूप में पंजीकरण हो, प्रत्येक शिकायतकर्ता को राहत मिले, न्यायालय से निर्णय प्राप्त करने के लिए दायर सभी चार्जशीटों पर मुकदमा चलाया जाए और यह सब अधिनियम में दी गई समय-सीमा के भीतर किया जाए। एक वेब आधारित स्वयंसेवा पोर्टल के रूप में उपलब्ध, अत्याचारों के विरुद्ध राष्ट्रीय हेल्पलाइन सिविल अधिकार संरक्षण (पीसीआर) अधिनियम, 1955 और इनकी नियमावली के बारे में भी जागरूकता का प्रसार करेगा।

पीएम मोदी 13 दिसंबर को वाराणसी जाएंगे और श्री काशी विश्वनाथ धाम का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13-14 दिसंबर को वाराणसी के दौरे पर रहेंगे। 13 दिसंबर को दोपहर करीब 1 बजे प्रधानमंत्री श्री काशी विश्वनाथ मंदिर जाएंगे और पूजा-अर्चना करेंगे, इसके बाद करीब 339 करोड़ रुपये की लागत से बने श्री काशी विश्वनाथ धाम के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। बाबा विश्वनाथ के तीर्थयात्रियों और भक्तों को पवित्र नदी में डुबकी लगाने की सदियों पुरानी परंपरा का पालन करने, खराब रख-रखाव एवं भीड़भाड़ वाली सड़कों से आने-जाने और गंगाजल लेकर मंदिर में अर्पित करने में होने वाली कठिनाइयों को दूर करके उन्हें सुविधा प्रदान करना, प्रधानमंत्री का काफी पुराना सपना था। इस सपने को साकार करने के लिए, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को गंगा नदी के तट से जोड़ने के लिए एक सुगम मार्ग के सृजन की एक परियोजना के रूप में श्री काशी विश्वनाथ धाम की परिकल्पना की गई। इस पुनीत कार्य को शुरू करने के लिए, 8 मार्च, 2019 को प्रधानमंत्री द्वारा परियोजना की आधारशिला रखी गई थी। प्रधानमंत्री ने परियोजना के सभी चरणों के क्रियान्वयन में उत्साही और सक्रिय रुचि दिखाई। प्रधानमंत्री के द्वारा नियमित तौर पर निर्देश दिए जाते थे तथा समीक्षा और निगरानी की जाती थी। इस परियोजना को बेहतर बनाने और दिव्यांगजनों समेत सभी तीर्थयात्रियों के लिए इसे और अधिक सुलभ बनाने के क्रम में उन्होंने लगातार इनपुट दिए और इस सम्बन्ध में अपना दृष्टिकोण साझा किया।

परियोजना को रैंप, एस्केलेटर और अन्य आधुनिक सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया गया, ताकि दिव्यांगजनों और वृद्ध लोगों को पहुंचने में आसानी हो। परियोजना के पहले चरण में कुल 23 भवनों का उद्घाटन किया जाएगा। ये भवन काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान करेंगे, जिनमें शामिल हैं- यात्री सुविधा केंद्र, पर्यटक सुविधा केंद्र, वैदिक केंद्र, मुमुक्षु भवन, भोगशाला, सिटी म्यूजियम, दर्शक दीर्घा, फूड कोर्ट आदि।

रक्षामंत्री राजनाथ ने 1971 के युद्ध में भारत की जीत के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्वर्णिम विजय पर्व का उद्घाटन किया

नई दिल्ली ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 12 दिसंबर को नई दिल्ली में इंडिया गेट लॉन में भारत-पाक 1971 युद्ध में बांग्लादेश की मुक्ति में सशस्त्र बलों की वीरता एवं दक्षता और उनके योगदान की याद में आयोजित कार्यक्रम 'स्वर्णिम विजय पर्व' का उद्घाटन किया। यह आयोजन युद्ध में भारत की जीत के 50 साल पूरे होने के साल भर चलने वाले समारोह की पराकाष्ठा का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम में अपने संबोधन की शुरुआत की, जिनका 08 दिसंबर, 2021 को तमिलनाडु में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया। उन्होंने कहा, 'जनरल रावत की असामयिक मौत से भारत ने एक बहादुर सैनिक, एक योग्य सलाहकार और एक जिंदादिल शख्सियत को खो दिया है। वह स्वर्णिम विजय पर्व में भाग लेने के लिए काफी उत्सुक थे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 'स्वर्णिम विजय पर्व' को एक उत्सव बताया, जो 1971 के युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की शानदार जीत की याद दिलाता है जिसने दक्षिण एशिया के इतिहास और भूगोल को बदल दिया। उन्होंने 1971 के युद्ध में जीत सुनिश्चित करने वाले बहादुर भारतीय सैनिकों, नाविकों और वायु सेना के योद्धाओं तथा उनके परिवारों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश हमेशा उनके बलिदान का ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा, 'यह त्योहार इस बात का प्रमाण है कि 1971 की यादें आज भी हर भारतीय के दिल में ताजा हैं। साथ ही, यह 1971 के युद्ध के दौरान हमारी सेना के जोश, जुनून और वीरता का प्रतीक है। यह हमें उसी उत्साह और जोश के साथ राष्ट्र की प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। राजनाथ सिंह ने 1971 के युद्ध में जीत को मानवता की भावना और भारतीयों के सार्वभौमिक भाईचारे का प्रतीक बताया, जो एक ऐसे देश में रहते हैं जो पूरी पृथ्वी को अपना परिवार मानता है और हमेशा सच्चाई तथा न्याय के लिए खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध में हमारी जीत अमानवीयता पर मानवता की जीत, कदाचार पर सदाचार और अन्याय पर न्याय की जीत थी। उन्होंने न्यूयॉर्क के एक प्रसिद्ध भाषण में मार्टिन लूथर किंग जूनियर के एक बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'अन्याय कहीं भी हो, वो हर जगह न्याय के लिए खतरा है'। राजनाथ ने कहा कि तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर हो रहे अत्याचार पूरी मानवता के लिए खतरा थे और उन्हें उस अन्याय और शोषण से मुक्त करना भारत की जिम्मेदारी थी। राजनाथ सिंह ने युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के दृढ़ संकल्प, समन्वय और वीरता को याद किया। उन्होंने कहा, 'हमारे सशस्त्र बलों ने 'मुक्तिवाहिनी' का सहयोग किया, लाखों शरणार्थियों की मदद की और पश्चिमी तथा उत्तरी क्षेत्र से किसी भी तरह की आक्रामकता को रोका।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी शीघ्र पूर्णता के लिए लक्षित

नई दिल्ली। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग अभूतपूर्व गति से विकसित हो रहे हैं। कई ट्वीट की एक श्रृंखला में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी परियोजना 993 प्रतिशत प्रगति के साथ पूर्णता के निकट है तथा यह जनवरी, 2022 में, 3 महीने पहले ही पूर्णता के लिए लक्षित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी जो उत्तर प्रदेश/हरियाणा सीमा (बागपत) से आरंभ होता है तथा रोहना में समाप्त होता है, उपयोगकर्ताओं को यह सुनिश्चित करते हुए कि दिल्ली ट्रैफिक बाईपास हो जाए, उत्तर प्रदेश से राजस्थान सीमा तक बरास्ते हरियाणा निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगा। श्री गडकरी ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी राष्ट्रीय राजमार्ग - 44 से भी गुजरता है, जिससे चंडीगढ तथा दिल्ली के यात्रियों को सीधी पहुंच उपलब्ध हो सकेगी।

गोवा में तृणमूल कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को कहा कि गोवा में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए वह ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी के गोवा डेस्क की प्रभारी आतिशी ने कहा कि आप गोवा में अच्छे उम्मीदवार उतारेगी और नया विकल्प मुहैया कराएगी तथा ईमानदार एवं भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनाएगी। गोवा में अगले वर्ष की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। आतिशी ने ट्वीट किया, ''मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रही हूं कि टीएमसी के साथ गठबंधन नहीं होगा। इसलिए उनके साथ बातचीत का सवाल ही नहीं है। हम गोवा में अच्छे उम्मीदवारों के साथ नया विकल्प देने और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह पश्चिम बंगाल के एक लेखक के ट्वीट का जवाब दे रही थीं, जिन्होंने एक खबर का हवाला देते हुए कहा कि आप गोवा में टीएमसी के साथ गठबंधन करने की इच्छुक है और ममता बनर्जी की पार्टी ने इस प्रस्ताव पर अभी तक निर्णय नहीं किया है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच इस मुद्दे पर एक दौर की वार्ता हो चुकी है। आप ने गोवा विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का निर्णय किया है। अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने 2017 में भी गोवा विधानसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी।

सांसद वरुण गांधी लाए एमएसपी को कानूनी गारंटी देने वाला निजी विधेयक

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद वरुण गांधी ने किसानों की मांग को एक बार फिर अपना समर्थन दिया है। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी बनाने वाला एक निजी विधेयक रखा है। इस विधेयक का नाम 'द फार्मर्स राइट टू गारंटीड मिनिमम सपोर्ट प्राइस रिएलाइजेशन ऑफ एग्री प्रोड्यूस बिल 2021' है। इसका मकसद 22 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी प्रदान करना है। इसमें उत्पादन की व्यापक लागत पर 50 फीसदी के लाभांश पर एमएसपी निर्धारित करने का प्रावधान है। वरुण गांधी ने संसद में इस विधेयक जमा करा दिया है। लेकिन अभी इसे पेश किया जाना बाकी है। विधेयक में इस बात की व्यवस्था है कि एमएसपी से कम कीमत हासिल करने वाला कोई भी किसान प्राप्त मूल्य और गारंटीशुदा एमएसपी के बीच मूल्य के अंतर के बराबर मुआवजे का हकदार होगा। वरुण गांधी के दिए गए इस विधेयक में इस बात का भी प्रावधान है कि खरीद-बिक्री के दो दिन के भीतर भुगतान किसानों के बैंक खाते में सीधा जमा कर दिया जाना चाहिए। नरेंद्र मोदी सरकार ने 19 नवंबर को 3 कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी। संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने बिल पेश कर कानून वापस भी ले लिए। इसके बाद बीजेपी सांसद वरुण गांधी इस विधेयक को लेकर आए हैं। मोदी सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ किसान पिछले एक साल से दिल्ली की सीमाओं पर धरना दे रहे थे। सरकार से समझौता होने के बाद किसानों ने अब अपना धरना खत्म कर दिया है।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी-बसपा को बड़ा झटका

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश की खलीलाबाद विधानसभा सीट से भाजपा विधायक दिग्विजय नारायण चौबे उर्फ जय चौबे और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से हाल ही में निष्कासित किए गए विधायक विनय शंकर तिवारी सहित अन्य नेता रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में सभी नेताओं ने सपा ज्वाइन किया। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूर्वांचल की राजनीति के लिहाज से इसे भाजपा और बसपा के लिए बड़ा झटका तथा सपा के लिए अहम उपलब्धि माना जा रहा है। बता दें कि जय चौबे बस्ती मंडल के कद्दावर नेता हैं। गोरखपुर जिले की चिल्लूपार विधानसभा सीट से विधायक विनय शंकर तिवारी, उनके भाई संत कबीर नगर से पूर्व सांसद कुशल तिवारी और उनके करीबी रिश्तेदार एवं विधान परिषद के पूर्व सभापति गणेश शंकर पांडेय के अलावा जय चौबे लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। विनय और कुशल तिवारी पूर्वांचल के कद्दावर नेता रहे हरिशंकर तिवारी के पुत्र तथा गणेश शंकर के भांजे हैं। बता दें कि विनय शंकर तिवारी की अखिलेश से दिसंबर के पहले हफ्ते में ही मुलाकात हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि पांडेय और तिवारी बंधुओं को बसपा से हाल ही में अनुशासनहीनता के आरोप में निष्कासित किया गया था। बसपा सूत्रों के अनुसार विनय शंकर तिवारी की अखिलेश से मुलाकात के बाद ही 7 दिसंबर को तिवारी परिवार को बसपा से निष्कासित किया गया था।

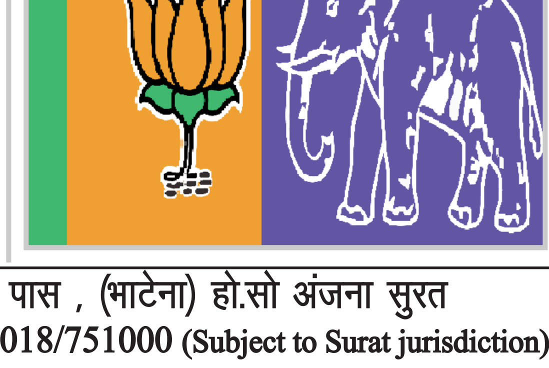

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत में कुल कोविड-19 टीकाकरण 132.93 करोड़ से अधिक

नई दिल्ली । पिछले 24 घंटों में 89,56,784 वैक्सीन खुराक दिए जाने के साथ ही भारत में कोविड -19 टीकाकरण आज सुबह 7 बजे तक अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार 132.93 करोड़ (1,32,93,84,230) से अधिक हो गया है। यह 1,38,52,959 सत्रों के माध्यम से हासिल किया है। पिछले 24 घंटों में 8,464 रोगी ठीक हुए हैं। इसके साथ ही ठीक होने वाले रोगियों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,41,22,795 हो गई है। भारत में इस बीमारी से ठीक होने की दर 98.36 फीसदी है,जो मार्च 2020 के बाद से सबसे ज्यादा है। केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के निरंतर और सहयोगात्मक प्रयास से रोजाना 15,000 से कम नए मामलों के सामने आने की प्रवृत्ति जारी हैं जो पिछले 45 दिनों से दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटे में 7,774 नए मामले सामने आए। अभी भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामले 92,281 हैं जो 560 दिनों में सबसे कम है। बीमारी के सक्रिय मामले देश में कुल पॉजिटिव मामलों का 0.27त्न हैं, जो मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। देशभर में परीक्षण क्षमता का विस्तार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 11,89,459 टेस्ट किए गए। भारत ने अब तक कुल 65.58 करोड़ (65,58,16,759) परीक्षण किए हैं। देशभर में परीक्षण क्षमता को बढ़ाये जाने के साथ ही साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर 0.70त्न है जो पिछले 28 दिनों से 1त्न से कम है। दैनिक पॉजिटिविटी दर 0.65त्न दर्ज की गई है। दैनिक पॉजिटिविटी दर पिछले 69 दिनों से 2त्न से नीचे और लगातार 104 दिनों से यह 3त्न से नीचे बनी हुई है।

बुलेट पर बिना हेलमेट पहने बनाया वीडियो, यूपी पुलिस ने काट दिया 14 हजार का चालान

कानपुर । आमतौर पर सोशल मीडिया पर कोई भी वीडियो तेजी से वायरल हो जाता है, इसी बीच उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक शख्स बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में बुलेट पर बैठे हुए वीडियो बनाया है। इसमें खास बात यह है कि शख्स ने हेलमेट नहीं पहना हुआ है। वीडियो में दिख रहे शख्स का नाम खालिद अहमद है और इसपर कानपुर ट्रैफिक पुलिस ने 14 हजार रुपए का चालान भेज दिया है। खालिद ने अपने बयान में बताया कि उन्होंने इसका चालान बहुत पहले भर दिया है और यह वीडियो 6-7 महीने पहला का है, जो अब ज्यादा वायरल हो रही है। खालिद ने यह वीडियो किसी म्यूजिकल एप में बनाया है और इस वीडियो में वह गाने की लिपसिंग करते नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि खालिद मुझे एक ऐसी हाईफाई लुगाई चाहिए। गाने की लिपसिंग करते हुए नजर आ रहे है। खालिद न केवल गाने कि लिपसिंग कर रहे है, बल्कि बुलेट पर बैठकर स्टंट भी कर रहे है। यूपी पुलिस ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा केवल वायरल और लाइक्स के लिए गाड़ी चलाते समय असावधानी न बरतें, क्योंकि आपकी कहानी हमेशा के लिए खत्म हो सकती है।

राष्ट्रीय राजधानी में दर्ज किया गया अब तक का न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री

नई दिल्ली । दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय राजधानी में इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक न्यूनतम तापमान औसत से दो डिग्री कम रहा। शनिवार को शहर का न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक हवा में सापेक्षिक आर्द्रता 95 प्रतिशत दर्ज की गई और अधिकतम तापमान करीब 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 255 रहा, जो खराब श्रेणी में आता है। पड़ोसी फरीदाबाद (228), गाजियाबाद (274), गुरुग्राम (200) और नोएडा (213) में भी वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा माना जाता है, 51 और 100 के बीच संतोषजनक 101 और 200 के बीच एक्यूआई को मध्यम 201 और 300 के बीच खराब 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच एक्यूआई को गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

2030 तक स्पेस स्टेशन स्थापित करने की केंद्र की योजना

राज्यसभा में सरकार ने कहा- 2023 में गगनयान भी भेजा जाएगा

नई दिल्ली : सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की योजना 2030 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की है जो अपनी तरह का अनोखा अंतरिक्ष स्टेशन होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2023 तक भारत की, गगनयान भेजने की योजना है और उसके पहले दो मानव रहित मिशन भेजे जाएंगे। उन्होंने इनके रोबोटिक मिशन होने का जिक्र करते हुए कहा कि उनमें से एक मिशन अगले साल की शुरूआत में भेजा जाएगा और दूसरे मिशन को साल के अंत तक भेजे जाने की योजना है।

सिंह ने कहा कि गगनयान की सफलता के साथ ही भारत, अमेरिका, चीन और रूस की विशिष्ट श्रेणी में शामिल होकर चौथा देश बन जाएगा और अंतरिक्ष क्षेत्र में विश्व में अग्रिम पंक्ति के देशों में शुमार हो जाएगा। सिंह ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि गगनयान के साथ ही शुक्र मिशन, सौर मिशन (आदित्य) और चंद्रयान के लिए भी काम जारी है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी की वजह से विभिन्न मिशन में देरी हुयी और चंद्रयान के अगले साल भेजे जाने की योजना है। सिंह ने कहा कि भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रथम मानवसहित अंतरिक्ष कार्यक्रम का नाम गगनयान कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का मकसद भारतीय प्रक्षेपक रॉकेट द्वारा मानव को निम्न भू कक्षा (एलईओ) में भेजने और उनको सुरक्षित धरती पर वापस लाने की क्षमता का प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा कि इसरो ने अब तक 34 देशों के 42 उपग्रहों का प्रक्षेपण किया है। इससे देश को 5.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा मिली है।

बचत सुरक्षित हुई, अब बैंक डूबने पर जमाकर्ताओं का पैसा नहीं डूबता : मोदी

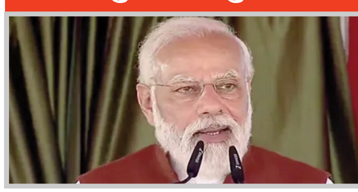

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि अब बैंकों के डूबने पर जमाकर्ताओं का पैसा नहीं डूबता है। उनकी जमा का समयबद्ध तरीके से भुगतान किया जाता है। पीएम मोदी ने विज्ञान भवन में 'जमाकर्ता प्रथम: पांच लाख रुपए तक का गारंटीशुदा समयबद्ध जमा बीमा भुगतान' कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब जमाकर्ताओं को दबाव वाले बैंकों से अपना पैसा वापस पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता था। गरीब, मध्यम वर्ग बरसों तक इस परेशानी से जूझता रहा। मोदी ने कहा यदि बैंकों को बचाना है, तो जमाकर्ताओं को सुरक्षा देनी होगी। हमने बैंकों को बचाकर जमाकर्ताओं को यह सुरक्षा दी है। उन्होंने कहा जमा बीमा भुगतान की गारंटी के पीछे की प्रेरणा जमाकर्ता हैं। एक साल में एक लाख जमाकर्ताओं को 1,300 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार ने कानून में बदलाव किया है जिससे बैंकों के बंद होने पर जमाकर्ताओं को समयबद्ध तरीके से उनकी जमा का भुगतान किया जाता है। पीएम मोदी ने कहा सरकार ने दबाव वाले बैंकों से जमाकर्ताओं को मिलने वाली राशि को एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दिया है। इसके दायरे में 98 प्रतिशत खाताधारक आते हैं। उन्होंने बताया 90 दिन के भीतर गारंटीशुदा समयबद्ध जमा बीमा भुगतान के दायरे में बैंकों में 76 करोड़ रुपये की जमा राशि आती है। बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि छोटे बैंकों को सक्षम बनाने, उनकी क्षमता और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए उनका विलय सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े बैंकों के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन तथा कर्ज तक सुगम पहुंच का सबसे अधिक लाभ महिलाओं को मिल रहा है।

ओमिक्रॉन के खतरे से बचाएगी बूस्टर डोज

नई दिल्ली। ओमिक्रॉन के खतरे के बीच बूस्टर डोज को लेकर काफी चर्चा हो रही है। अब वैज्ञानिकों ने इसको लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि कोविड-19 रोधी बूस्टर खुराक से एंटीबॉडी की मात्रा बढ़ जाती है। उन्होंने कहाकि यह भी देखा गया है कि इससे ओमिक्रॉन संक्रमण से बचाव की संभावना में भी इजाफा होता है। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि बूस्टर खुराक उन लोगों के बचाव के लिए सबसे आसान कदम है, जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) ने कहा है कि ओमिक्रॉन के खिलाफ प्रभावी माने जाने वाले कोविशील्ड टीके की बूस्टर डोज और कोविड-19 रोधी टीके की तीसरी बूस्टर डोज ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमण से 70-75 प्रतिशत तक सुरक्षा प्रदान करती है। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विषाणु वैज्ञानिकों और महामारी विशेषज्ञों ने कहाकि (पोलियो या ओपीवी, खसरा जैसे रोगों के टीके को छोड़कर) किसी भी टीके की बूस्टर खुराक एंटीबॉडी लेवल तेजी से बढ़ा देती है। प्रख्यात विषाणु विज्ञानी डॉ. शाहिद जमील ने कहा कि दो खुराक देने के बाद एक बूस्टर खुराक देने से परिसंचारी एंटीबॉडी की मात्रा बढ़ जाती है। यह देखा गया है कि यह ओमिक्रॉन संक्रमण से बचाव की संभावना को बढ़ा देती है। भारत में अधिकतर लोगों को कोविशील्ड की खुराक दी जा चुकी हैं, ऐसे में अब उसे क्या करना चाहिये। इस सवाल पर भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टिया के सलाहकार समूह के पूर्व प्रमुख जमील ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जिन लोगों को कोविशील्ड की केवल एक खुराक मिली है, उन्हें दूसरी खुराक 12-16 सप्ताह के बजाय 8-12 सप्ताह में ही दे दी जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय टीकों कोवैक्सिन और कोविशील्ड का सीरा कितनी अच्छी तरह से वायरस को बेअसर करता है, यह जानने के लिए प्रयोगशाला में ओमिक्रॉन पर स्टडी की जाए। बूस्टर पर एक नीति बनाएं।

बेहिसाब बढ़ती महंगाई के बीच कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों के लिए काम कर रही केंद्र सरकार : प्रियंका

जयपुर । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता की भलाई नहीं चाहती। वह गिने चुने उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। यहां कांग्रेस की 'महंगाई हटाओ महारैली' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा जो सरकार केंद्र में है, वह तय है कि जनता की भलाई नहीं चाहती। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि केंद्र सरकार आपके लिए काम नहीं कर रही है। किसके लिए काम कर रही है। पूरा देश, पूरी दुनिया देख रही है कि यह सरकार कुछ गिने चुने उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। प्रियंका ने कहा, दो तरह की सरकार होती हैं। एक सरकार का लक्ष्य सेवा, समर्पण व जनता से सचाई की बात करना होता है। एक ऐसी सरकार भी होती है जिसका लक्ष्य झूठ, लालच व लूट है। प्रियंका ने कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार का लक्ष्य झूठ, लालच और लूट है। उन्होंने कहा केंद्र की मोदी सरकार बार-बार सवाल करती है कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया, मैं कहती हूं, 70 साल की रट छोड़िए हमें यह बताइए आपने सात साल में क्या किया? कांग्रेस नेता ने कहा कांग्रेस ने 70 साल में देश में जो कुछ बनाया था भाजपा सरकार उसे बेचना चाहती है। इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के तमाम बड़े नेता मौजूद थे।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर: लोकार्पण के बाद 8 लाख घरों में बंटेंगा प्रसाद, 40 हजार हाथ दिन रात बना रहे लड्डू!

वाराणसी। लंबे इंतजार के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण करेंगे। पूरा देश इस लोकार्पण का साक्षी बनेगा। जिसके चलते उत्तर प्रदेश सरकार इस लोकार्पण को यादगार बनाने के लिए जोरों शोरों से तैयारी कर रही है। शहर से लेकर गांवों तक घरों में इसकी तैयारियां चल रही हैं। कहीं लड्डू बन रहे हैं तो कहीं फूल मालाएं बन रही है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि कल काशी में दीपावली जैसा नजारा होगा। बता दें कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर लोकार्पण कार्यक्रम को एतिहासिक बनाने के लिए काशी के 8 लाख घरों में लड्डू बांटने की तैयारी है। इसे बनाने में 14 हजार किलो बेसन, सात हजार किलो चीनी और सात हजार किलो घी का इंतजाम किया गया है। लड्डू बनाने के लिए दस लोगों को लगाया गया है। इसके लिए 600 श्रमिक दिन-रात काम कर रहे हैं। इस काम के लिए कई हलवाई दिन-रात जुटे हुए हैं। इन लड्डुओं की पैकिंग करने के लिए महिलाओं और पुरुषों दोनों को लगाया गया है। हर पैकेट में दो-दो लड्डू रखे जाएंगे। डोर टू डोर प्रसाद पहुंचाया जाएगा। इसकी व्यवस्था ट्रस्ट की ओर से की गई है।

प्रसाद काउंटर मेंबर अंकित चौहान ने आज तक को बताया कि कुल 8 लाख में से 1 लाख का ऑर्डर उन्हें मिला है और बाबा की सेवा का सौभाग्य पाकर वह बहुत खुश हैं। उनकी मां कुसुम भी महिलाओं के साथ बैठकर लड्डू बनाने के काम में हाथ बंटा रही हैं और शिव ध्वनियां गुनगुना रही हैं। लड्डू बनाने के बाद उन्हें एक छोटे डिब्बे में पैक किया जा रहा है। डिब्बे पर काशी विश्वनाथ का लोगो लगा है। यही डिब्बे घर-घर जाने हैं। यह प्रसाद मंदिर से सीधे आठों विधानसभा क्षेत्रों में भेजा जाएगा। वहां से मंडलों बूथों तक पहुंचाया जाएगा। प्रसाद वितरण के लिए 3361 केंद्र बने हैं। हर टोली 50-50 घरों में प्रसाद बांटेगी। साथ ही, विश्वनाथ मंदिर के इतिहास से जुड़ी पुस्तिका व कैलेंडर भी दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कश्मीरी हिंदुओं को मिल सकता हैं आरक्षण

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कश्मीरी हिंदुओं, अनुसूचित जनजातियों और गुलाम कश्मीर से आए नागरिकों को भी आरक्षण मिल सकता है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन में लगे परिसीमन आयोग ने अपनी रिपोर्ट का प्रारूप तैयार कर लिया है। प्रारूप पर चर्चा के लिए आयोग ने 20 दिसंबर को प्रदेश के पांचों सांसदों को नई दिल्ली बुलाया है। ये सांसद आयोग के सदस्य भी हैं।इसमें नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के तीनों सांसद डा. फारूक अब्दुल्ला, हसनैन मसूदी, मोहम्मद अकबर लोन और भाजपा के दोनों सांसद जुगल किशोर शर्मा और डा. जितेंद्र सिंह शामिल हैं। केंद्र शासित प्रदेश बनने से पहले जम्मू कश्मीर विधानसभा में सिर्फ अनुसूचित जातियों के लिए सात सीटें आरक्षित थीं। ये सभी सीटें जम्मू संभाग में थीं। जबकि कश्मीरी हिंदुओं, गुलाम कश्मीर से आए नागरिकों और अनुसूचित जनजातियों के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं थी।इसके बाद कश्मीरी हिंदुओं और गुलाम कश्मीर के नागरिक कुछ सीटों को उनके लिए आरक्षित करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि कश्मीरी हिंदू लोकसभा में भी उनके लिए सीट आरक्षित करने की मांग कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि आयोग ने अपनी रिपोर्ट का प्रारूप तैयार कर लिया है। इसके तहत कश्मीरी हिंदुओं के लिए सिक्किम में बौद्ध लामाओं के लिए आरक्षित सीट की तरह ही एक फ्लोटिंग विधानसभा क्षेत्र तैयार किया जा सकता है। फ्लोटिंग विधानसभा क्षेत्र वह होता है, जिसकी कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। चूंकि कश्मीर हिंदू 1989 के बाद कश्मीर में आतंकी हिंसा के चलते पलायन कर देश के विभिन्न हिस्सों में बस गए थे,इसकारण वह वहां से भी उस क्षेत्र के लिए वोटिंग कर सकते हैं। इसके अलावा पांडुचेरी विधानसभा का माडल अपनाते हुए कश्मीरी हिंदुओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। उनके लिए एक से दो सीटों को आरक्षित किया जा सकता है।सूत्रों के अनुसार, अनुसूचित जातियों के लिए सात सीटें ही आरक्षित रहेंगी, जबकि अनुसूचित जनजातियों के लिए नौ सीटें आरक्षित हो सकती हैं।

बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना में भारत का महत्वपूर्ण योगदान : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली । सन-1971 के युद्ध और भारत-बांग्लादेश संबंध को सफल बनाने वाली भारत की ऐतिहासिक विजय के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्वर्णिम विजय पर्व समारोह को संबोधित करते हुए देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रक्षा मंत्री ने रविवार को कहा कि भारत ने बांग्लादेश की विचारधारा को सफल बनाने में योगदान दिया है। साथ ही कहा कि पिछले 50 वर्षों में बांग्लादेश की विचारधारा में विकास हुआ है। इसके अलावा बांग्लादेश तेजी से विकास के रास्ते से जुड़ा है, जो दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए प्रेरणा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने विचारधारा के संविधान को सफल बनाने में योगदान दिया है और हम वास्तव में धन्य हैं कि पिछले 50 वर्षों में सफल बांग्लादेश ने विकास के रास्ते को तेजी से जोड़ा है, जो दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए एक प्रेरणा है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज हम प्रत्येक व्यक्ति 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के 'स्वर्णिम विजय वर्ष' पर आयोजित 'विजय पर्व' का अवलोकन करने के लिए मौजूद इंडिया गेट पर एकत्रित हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1971 के युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत और भारत-बांग्लादेश दोस्ती के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आज राजधानी इंडिया गेट पर स्वर्णिम विजय पर्व का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार 1971 के युद्ध के दौरान इस्तेमाल किए गए प्रमुख हथियारों और उपकरणों को प्रमुख लड़ाइयों के अंशों के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। बता दें कि उद्घाटन के बाद ये कार्यक्रम आम लोगों के लिए खुला रहेगा।

महंगाई हटाओ रैली में बोले राहुल गांधी-मैं महात्मा गांधी की तरह हिंदू हूं, हिंदुत्ववादियों को करना होगा सत्ता से बाहर

नेशनल डेस्क। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारतवर्ष हिंदुओं का देश है, हिंदुत्ववादियों का नहीं। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके तीन चार मित्रों ने सात साल में देश को बर्बाद कर दिया। राहुल ने कहा कि मैं हिंदुत्ववादी नहीं, मैं हिंदू हूं।'' यहां 'महंगाई हटाओ रैली' को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा,'' यह देश हिंदुओं का देश है, हिंदुत्ववादियों का नहीं है। देश में महंगाई है, दर्द है तो यह काम हिंदुत्ववादियों ने किया है।हिंदुत्ववादियों को किसी भी हालत में सत्ता चाहिए।'' हिंदू और हिंदुत्ववाद को दो अलग अलग शब्द बताते हुए राहुल ने कहा कि जिस तरह से दो जीवों की एक आत्मा नहीं हो सकती, वैसे ही दो शब्दों का एक मतलब नहीं हो सकता क्योंकि हर शब्द का अलग मतलब होता है। राहुल ने कहा, '' मैं हिंदुत्ववादी नहीं, मैं हिंदू हूं।'' उन्होंने कहा कि हिंदू वह है जो किसी से नहीं डरता जो सबको गले लगता है। उन्होंने कहा कि देश से 'हिंदुत्ववादियों को वापस निकालना है हिंदुओं का राज लाना है।' राहुल गांधी ने कहा कि महात्मा गांधी हिंदू थे, हिंदुत्ववादी नहीं। नत्थूराम गोडसे हिंदुत्ववादी था। राहुल गांधी ने कहा कि महात्मा गांधी ने आत्मकथा लिखी, माय एक्सपीरियंस विद ट्रूथ (**my e&perience with truth**), मतलब पूरी जिंदगी उन्होंने सत्य को समझने के लिए बिता दी और अंत में एक हिंदुत्ववादी ने उनकी छाती में तीन गोली मारी।

रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि 'मैंने आपको ये भाषण क्यों दिया? क्योंकि आप सब हिंदू हो, हिंदुत्ववादी नहीं, ये देश हिंदुओं का देश है, हिंदुत्ववादियों का नहीं।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com